

झारखंड में 57 संक्रमित



में अब तक कोरोना से तीन मरीजों की मौत हो चुकी है।

रांची (हिंदीपट्टी-बरियातू-बेड़ो) में 36, बोकारो में 10, हजारीबाग में 3, धनबाद-सिमडेगा में 2-2, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा और गढ़वा में एक-एक संक्रमण का मामला सामने आ चुका है। इधर, गुरुवार को मिले संक्रमित मरीजों को कोविड-19 सेंटर में भर्ती कराया गया है। बताते चलें कि

बुधवार की देर रात हिंदीली की चारों ओर लोग कोरोना को मात देकर रिसस से निकले। उनके चेहरे पर खुशी थी तो जुनां पर डॉक्टरों के लिए दुआएं थी। इन्हें से एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ने कहा-कोरोना से डरने की जरूरत नहीं है। डॉक्टरों की सलाह और गाइडलाइन फॉलो करें तो चिंता की जरूरत नहीं। मलेरिशियाई युवा भी एफआईआर दर्ज है, इसलिए

उसे नहीं छोड़ा गया है।
देश में कोरोना संक्रमण के कुल 21393 मामले आए हैं।
देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 21600 हो गई है।
गुरुवार को अंध्रप्रदेश में 80, राजस्थान में 49, पश्चिम बंगाल में 33, उत्तरप्रदेश में 24, कर्नाटक में 16, बिहार में 5, झारखंड में 3 और असम में एक मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई।
ये आंकड़े covid-vindia.org और राज्य सरकारों से मिली जानकारी के अनुसार हैं।
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोरोना संक्रमण के कुल 21393 मामले आए हैं। इनमें 16454 का इलाज चल रहा है।
4257 ठीक हुए हैं, वहीं 681 लोगों की मौत हुई है।
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोरोना संक्रमण के कुल 21393 मामले आए हैं। इनमें 16454 का इलाज चल रहा है।
4257 ठीक हुए हैं, वहीं 681 लोगों की मौत हुई है।

गया जिले में सभी लोग स्वस्थ हुए



गया। बिहार के एक और मरीज ने कोरोना से जंग जीत ली है। गुक्कड़ को गया का एक युवक स्वस्थ होकर घर लौटा। तीन अप्रैल को वह एएनएमसीएच में भर्ती हुआ था। 20 दिन बाद उसकी कोरोना जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। लगातार दूसरी रिपोर्ट निगेटिव मिलने के बाद उस अस्पताल से छुड़ी मिल गई। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे 14

दिनों तक कार्रवाई में रहने का आदेश दिया है।
कोरोना से जंग जीतने वाले युवक ने कहा कि डॉक्टरों की हर बात मानी और बीमारी का डक्टर मुकाबला किया। मेरी लोगों से अपील है कि डॉक्टरों की हर बात मानें। बीमारी का डक्टर मुकाबला करेगे तो आसानी से जंग जीत लेंगे। गया में मिले कोरोना के पहले मरीज के संपर्क में आने से युवक संक्रमित हुआ था।
गया में कोरोना के पांच मरीज, सभी स्वस्थ हुए बिहार के गया जिले में अब तक कोरोनावायरस के पांच मरीज की पुष्टि हुई है। इसमें सभी लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। जिले का रिकवरी रेट सी प्रतिशत हो गया है। गया अब अर्रेंज जेन से से ग्रीन जेन में आ गया है। तीन अप्रैल को आखिरी केस मिला था।

धर्म विरोधी स्वैये के विरोध में एक दिवसीय उपवास



प्राची। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत श्री महावीर मण्डल राँची के तत्वावधान में श्री महावीर मंडल राँची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा ने पालाघर में संतो की भीड़ द्वारा निर्मम हत्या एवं पुलिस प्रशासन एवं सरकार के धर्म विरोधी रवैये के विरोध में 1 दिवसीय उपवास रखा। उपवास को श्री महावीर मंडल राँची के बाईगाई के अध्यक्ष बिरेन्द्र साहू, बरियातू के अध्यक्ष राज किशोर, हिंदीपट्ट के राहुल सिन्हा, चुटिया के बाबूलाल ठकुर, श्री राम बाबर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह, श्री महावीर मंडल मुन्ना अगरवाल, श्री महावीर मंडल खेराल के अध्यक्ष संजय पोंदार , चैती दुराणपूजा महासमितिके महामंत्री गोपाल पारीक सरित दर्जनमें अखड़ाधारियो ने साधु संतो की भीड़ द्वारा निर्मम हत्या की घटना की निंदा की एवं उपवास का समर्थन किया। उपवास कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य पुनिल तिवारी ने सचोच्चारण तिलकबन्धन कर एवं चुनड़ी ओढ़ाकर कराई। श्री मिश्रा ने कहा कि जिस तरीके से पुलिस की मौजूदगी में भीड़ द्वारा संतो की हत्या इस देश के लिए कलंक है दूसरी ओर राज्य सरकार और इस दश के धार्मिक समाजिक एवं तथ्याकथित नेता इस घटना में मौन बत धारण किये हुए हैं उनको अपना मौन तोड़ना चाहिए ज्ञात हो कि ये वही नेता हैं जो मोब लीनचिंग एवं इस तरह की कई घटना में पूरे देश मे हल्ला हंगामा मचाने का काम करते थे वैसे लोगो को सहाने आकर इस घटना पर अपने विचार रखने चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा कि महामारी के बाद राजधानी राँची में पूरे झारखंड राज्य से साधु-संतो एवं ब्राह्मणो को राँची बुलाकर धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा एवं जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलेगी श्री महावीर मंडल चैन से नहीं बैठेगा। उपवास कार्यक्रम 03:00 बजे समाप्त हुआ।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मंत्री एनोस एक्का को सात साल की जेल और दो करोड़ जुर्माना



राष्ट्री। मनी लाँड्रिंग मामले में आज ईडी की विशेष अदालत ने प्रदेश के पूर्व मंत्री एनोस एक्का को साल साल की सजा और दो करोड़ रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में उन्हें और एक साल की सजा काटनी होगी।

गौरतलब है कि पूर्व मंत्री
 एनोस एक्का पर 20 करोड़ 31
 लाख 77 हजार रुपये के मनी
 मामला दर्ज हुआ था. एनोस एक्का
 को पारा शिक्षक मनोज कुमार की
 हत्या के मामले में सिमडेगा की

लाइटिंग का आरोप है. कोर्ट ने उन्हें मार्च महीने में दोषी करार दिया था. लॉकडाउन के कारण सजा में देरी हो रही थी, इसलिए जज ने आज उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सजा सुनायी.

ज्ञात हो कि एनोस एक्का पर
वर्ष 2009 में मनी लॉन्ड्रिंग का
मामला दर्ज हुआ था. एनोस एक्का
को पारा शिक्षक मनोज कुमार की
हत्या के मामले में सिमडेगा की

निचली अदालत ने तीन जुलाई 2018 को उम्रकैद की सजा सुनायी थी. एनोस एक्का पर वर्ष 2014 में सिमडेगा के पारा शिक्षक मनोज कुमार को उनके स्कूल से अगवा कर हत्या करने का आरोप है. इस मामले में पुलिस ने 26 नवंबर, 2014 की रात करीब डेढ़ बजे एनोस एक्का को उनके टाकुरोटोली आवास से गिरफ्तार किया था.

नहीं मिलेगा अतिरिक्त महंगाई भत्ता केंद्र सरकार के 1.13 करोड़ कर्मचारियों-पेंशनरों को

नई दिल्ली। कोरोनावायरस संक्रमण को नकारात्मक आर्थिक असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने केंद्रीय कमर्चाियों और पेंशनरों को लेकर बड़ा झटका दिया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को इसके आदेश जारी कर दिया। केंद्र सरकार के इस फैसले से 1.13 करोड़ कर्मचारी और पेंशनर प्रभावित होंगे। इसमें करीब 48 लाख कर्मचारी और 65 लाख पेंशन शामिल हैं। इस महंगाई भत्ते को रोकने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में करीब 37,530 करोड़ रुपए की बचत होगी। हालांकि, वित्त मंत्रालय ने साफ किया है कि मौजूदा दर पर महंगाई भत्ते का भुगतान होता रहेगा।

सरकारी आदेश में कि केन्द्रीय कर्मचारियों को 1 जनवरी 2020 से मिलने वाली अतिरिक्त मंहगाई भत्ते पर रोक लगा दी गई है। इसी प्रकार से केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों को भी 1 जनवरी 2020 से दिए जाने वाले अतिरिक्त मंहगाई रहत भत्ते का भी भुगतान नहीं किया जाएगा।

1 जुलाई 2020 से दी जाने वाली किस्त का भी भुगतान नहीं
वित्त मंत्रालय ने कहा है कि 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021
से दी जाने वाली महंगाई भत्ता और महंगाई राहत भत्ता का भी भुगतान
नहीं किया जाएगा। इस प्रकार केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेशवरों को
जून 2021 तक महंगाई भत्ते का भुगतान नहीं हो पाएगा। सरकार प्रत्येक
6 महीने के अंतराल पर महंगाई भत्ते में बदलाव करती है। बदलाव के
बाद महंगाई भत्ता का भुगतान हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई से किया
जाता है।

राज्य सरकारें भी रोक सकती हैं महंगाई भत्ता
केंद्र सरकार के फैसले के बाद राज्य सरकारें भी अपने कमवाचियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता रोक सकती हैं। यदि राज्य सरकारें ऐसा करती हैं तो इस मद में करीब 82,566 करोड़ रुपए की बचत होगी। इस प्रकार केंद्र और राज्य सरकारों का महंगाई भत्ते की मद में 1.20 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी, जो कोरोना के खिलाफ जंग में काफी मदद करेगी।

रमजान मुबारक! केरल में दिखा चांद, रोजा आज से



रांची। कोरोना के कहर के बीच इस बार का रमजान मनाया जाना है। इस पर्व को 30 दिनों तक मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार नौवें महीने को रमजान मनाने की परंपरा है। इस्लाम धर्म में इस पर्व को काफी पाक माना गया है। केरल स्थित कोझिकोड के कम्पन्ड में चांद नजर आया। आज से रमजान का महीना शुरू होगा, 24-25 मई तक चलेगा।

15 घंटे नौ मिनट का होगा पहला रोजा

प्रांतीय झुलसती गर्मी में रोजेदार रोजा रखने वाले हैं। आपको बता दें की इस बार रोजे 15 घंटे से ज्यादा वक्त के होने वाले हैं। कल यानी पहला रोजा 15 घंटे नौ मिनट का होगा और अंतिम रोजा 15 घंटे एक मिनट अवधि का होगा। पहला रोजा सुबह 04.22 बजे शुरू होगा जो शाम को 6.53 बजे खत्म होगा।

क्यों पाक है रमजान

इस पर्व में रोजे रखने को फल माना गया है। बाकी महीनों की तुलना में 70 फीसदी ज्यादा फलदायी है यह महीना। ऐसी मान्यता है कि इस पाक महीने में अल्लाह अपने बंदों की जाज़ब दुआ कुबूल करते हैं। इस महीने में लोग कोई भी बुरा कार्य करते से बचते हैं। न किसी के नाज़ बुरा बोलते हैं न सुनते हैं। हाथों तक कि अंगुं से किसी का गलत कार्य भी नहीं देख सकते। पैरों से न कोई नाज़ जाह जाते हैं और न ही हाथों से किसी बुरे कार्य को करते हैं।

रोहतास बना हॉटस्पॉट, मुंगेर में संक्रमण ने पकड़ी रफ्तार



राजेश सिंह
पटना। बिहार राज्य में गुरुवार को कोरोना पॉजिटिव के कुल 10 नये मामले पाये गये हैं. इसके साथ ही राज्य में कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 153 हो गयी है. गुरुवार को सदर बाजार जमालपुर, मुंगेर में चार नये पॉजिटिव हुए हैं, जबकि रोहतास में छह नये पॉजिटिव केस

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि गुरुवार को जो नये पॉजिटिव पाये गये हैं, उसमें मुंगेर जिला के सदर बाजार जमालपुर में तीन महिला जिनकी उम्र 60 वर्ष, 61 वर्ष, 68 वर्ष और एक 36 वर्षीय पुरुष संक्रमित हुए हैं। इसी प्रकार गुरुवार

को रोहतास जिला के सासाराम में पांच पुरुष जिनकी उम्र 20, 24 वर्ष, 63 वर्ष, 38 वर्ष व 17 वर्ष है और एक 36 वर्षीय महिला संक्रमित हुई है।

सूचना ऐव जनसंपर्क विभागा के डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि पिछले 24 घंटे में दो और लोग स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी पर आ चुके हैं।

घर लौटे हैं। उन्होंने बताया कि अक्टूबर तक 13,785 सेंपल की जांच कर दी गई है। कोरोना से 17 जिलों में प्रभावित हैं। बांका के जिस व्यक्ति का सेंपल पॉजिटिव आया है, वह बाहर से आया है और उसकी जांच भागलपुर मेंडकल कॉलेज अस्पताल में कराई गयी थी।

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव बृहस्पतिवार को बताया मुंगेर जिला में कोरोना वायरस संक्रमण के जो मामले आज प्रकाश में आए हैं वे पूर्व में इस रोग से ग्रस्त हुए अन्य व्यक्ति के संपर्क के हैं।

भागलपुर में पिछले एक सप्ताह में एक दर्जन से अधिकतर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले प्रकाश में आए। इनमें से अधिकतर 60 वर्षीय उस सब्जी विक्रेता के संपर्क के हैं जिन्होंने पिछले महीने नालंदा जिले के बिहारसर्गौदा में तबलीगी जमात के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पैदल यात्रा की थी।

सासाराम में जिस महिला(36) में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है पूर्व में इस

रोग से ग्रसित एक मरीज के संपर्क की है। गौतमलब है कि पटना एला में कोरोना संक्रमित मुगुर जिला निवासी एक मरीज की गत 21 मार्च को तथा वैशाली जिला निवासी एक मरीज की शुरूवार को मौत हो गयी। बिहार के कुल 38 जिलों में से 17 जिलों में कोविड 19 के मामले अबतक प्रकाश में आये हैं। बिहार में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले अब तक सबसे अधिक 31 नालंदा एवं मुर्गुर में, सीवान में 29, पटना में 16, बेगूसराय में 9 व बक्सर में 8 मामले प्रकाश में आए हैं। ओमान से लौटे सीवान निवासी एक मरीज के संपर्क में बीते दिनों आने से अबतक 23 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। वहीं कतर से लौटे मुर्गुर निवासी एक मरीज के संपर्क में 64 व्यक्ति आये थे, उनमें से 55 के सैपल जांच के लिए आरएमएआरआई में भेजे गये थे, जिसमें से 11 में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई।



औरंगाबाद। यहाँ कोरोना संक्रमण एक माँ और उसकी ममता के बीच में आ गया। माँ ने जिस बच्ची को नौ महीने अपने गर्भ में रखा। उसके दुनिया में आने के बाद वह उसकी एक झलक नहीं देख पाई। हालाँकि तकनीक ने माँ के दर्द को कुछ कम कर दिया। गुरुवार को जब माँ की वीडियो कॉल के जरिए अपनी बच्ची को पहली झलक देखी तो उसकी आँखों से आंसुओं की धार निकल पड़ी।

यहां चिकलथाना इलाके में स्थित सिविल हॉस्पिटल में एक गर्भवती महिला 16 अप्रैल को भर्त हुई। महिला मुंबई से आई थी इसलिए, डॉक्टरों ने उसकी कोरोना

जानच की। रिपोर्ट पॉजिटिव आई।
 इसके बाद 18 अप्रैल को महिला ने
 एक बच्ची को जन्म दिया। क्योंकि,
 महिला को संक्रमण था, इसलिए
 तुरंत बच्ची को अलग कर दिया।
 महिला को कोरोना वाई नै एडमिट
 कर दिया गया।
**हॉस्पिटल की नर्सों ने की
 बच्ची की देखभाल**
 डॉक्टरों ने बच्ची की कोरोना
 जांच कराई। उसकी रिपोर्ट निगेटिव
 आई। इसके बाद बच्ची की देखभाल
 हॉस्पिटल की नर्सों ने की। हॉस्पिटल
 के सर्जन डॉ. सुंदर कुलकर्णी की
 महिला की नामाल डिलीवरिंग
 प्रयास किया गया। लेकिन, शारीरिक
 जटिलता को देखते हुए उनका

ऑपरेशन करना पड़ा। बच्ची के जन्म के बाद पांच दिन बीत चुके थे। महिला ने अपनी बच्ची की झलक तक नहीं देखी थी। वह बार-बार अपनी बच्ची को देखने का कह रही थी।

पहली झलक पाकर मां की आंखों में आए आंसू

डॉक्टर कुलकर्णी ने बताया कि इसके बाद मोंबाइल से वीडियो कॉल करके मां को बेटी की पहली झलक दिखाई गई। यह कभी भागुकु करने वाला पल था। कॉल के दौरान मां के भी चेहरे पर मुस्कान छिटकाई और बच्ची भी खुश दिखी। बच्ची को देख मां अपने आंसू नहीं रोक सकी। यह खुशी के आंसू थे।

सुखद एहसास: कोरोना संक्रमित मां ने देखी पहली झलक
अपनी बच्ची की, रोक नहीं सकी आंसुओं की धार

एकता सूत्र परिणाम है, त्वरित कार्यवाही

रांची। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में रिपब्लिक टी वी न्यूज़ चैनल के डिबेट पर शुभजीत दास द्वारा मारवाड़ी समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी व्यक्त किया। इसपर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन (कोलकाता) के पूर्व अध्यक्ष सीताराम जी शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष जी सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोवर्धन जी

गाड़ोदिया व विवेक गुप्ता, पवन गोयनका, संजय हरलालका, दिनेश बजाज, अजय मारू ने अपना विरोध जताते हुए गहरा रोष व्यक्त किया। तदोपरांत मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस विषय को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए टिप्पणीकर्ता को गिरफ्तार करवाया साथ ही कड़े शब्दों में इसकी निंदा

आपत्तिजनक टिप्पणीकर्ता पर रोष व्यक्त करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय समिति, समाजबिंद का आभार प्रकट किया कि इस विषय पर उन्होंने त्वरित विरोध दर्जकर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस आपत्तिजनक टिप्पणी को संज्ञान में डाला। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष

कमल कुमार केड़िया व विनोद जैन, महामंत्री पवन शर्मा, संयुक्त महामंत्री मनोज बजाज, विष्णु सेनव कौशल राजगढ़िया, पूर्व अध्यक्ष निर्मल काबरा, भागचंद पोद्दार, विनय सरावगी, राजकुमार केड़िया, गोविंद जी डालमिया ने आवश्यक व त्वरित कार्यवाही के लिये मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आभार जताया।

रिम्स के डेंटल ट्यूटर का प्रतिनिधिमंडल ने कोरोना के सहायतार्थ स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा 51 हजार रुपए का चेक

संवाददाता रांची। डॉ राहुल सिंह के नेतृत्व में रिम्स के डेंटल ट्यूटर का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष में 51 हजार रुपए का सहयोग राशि का चेक सौंपा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि ये एक स्वागत योग्य कदम है जिससे प्रेरणा लेने की

जरूरत है, एक तरफ चिकित्सकों की टीम अपने दायित्व का निर्वाहन कर कोरोना के संक्रमण से लोगों को बचा रही है वहीं दूसरी तरफ आर्थिक सहायता के माध्यम से मानवता का धर्म निभा रही हैं।उन्होंने चिकित्सकों को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि रिम्स के चिकित्सकों ने जो मिशाल पेश किया है वो सराहनीय है।

चिकित्सकों ने नियमित करने की मांग की, स्वास्थ्य

मंत्रो ने भरोसा दिलाया चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री से मांग किया कि उन्हें नियमित किया जाए, जिसपर स्वास्थ्य मंत्री ने विश्वास दिलाया कि वे इस पर सकारात्मक पहल करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में डॉ नीरव दत्ता, डॉ अनुभूति, डॉ रोहित, डॉ अंजनी शुक्ला, डॉ मनीष गौतम, उपस्थित थे।

राशन व मास्क का वितरण



रांची। भारतीय जनता पार्टी अपर बाजार मण्डल अन्तर्गत राधा मार्ग बड़ा तालाब पश्चिम में प्रदेश नेतृत्व, माननीय सांसद संजय सेठ, सी पी सिंह के निर्देश पर भाजपा नेता रितांकर दत्ता के सौजन्य से 20 जरूरतमंद परिवारो को एक सप्ताह का राशन एवं 100 pc हाथ से

बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई गई

संवाददाता रांची। देश के धरोहर, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही व महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती घर में ही उनकी तस्वीर को नमन कर एवं पुष्प अर्पित कर मनाई गई। कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए अवकाश प्राप्त इंजीनियर भारतीय नौसेना, नेवी अफसर एवं छात्र क्लब रूप के संस्करक्ष राजीव रंजन सिंह ने कहा इनका जन्म बिहार के भोजपुर जिला के लिए

जगदीशपुर गांव में 23 अप्रैल 1777 ई. में हुआ था। वे देश की आजादी के लिए अंग्रेजों का छद्म छुड़ाए थे। राजीव रंजन सिंह ने उन्हें स्मरण करते हुए आज पंडरा थाना, कपिल फाउंडेशन संस्था एवं अन्य जरूरतमंदों सब्जी, चाय, विक्रेता, मजदूर एवं अन्य लोगों बीच 300 केजी चावल, 200 केजी आलू, 100 केजी प्याज, 50 केजी चना दाल एवं 20 केजी सोयाबीन बरी डोनेट

सोसल डिस्टेंस में मनाया गया भामाशाह जयंती

टंडवा। प्रखंड क्षेत्र के रक्सी गांव में अखिल भारतीय तैलिक साहु समाज के द्वारा दानवीर भामाशाह जयंती गुरुवार को मनाया गया।जयंती कार्यक्रम सादे समारोह व सोसल डिस्टेंस के दायरे में रक्शी गांव में स्थापित दानवीर भामाशाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व समाज के प्रबुद्ध नेता बनवारी साव व विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य दुलारचंद साहु,पत्रकार बिरेंद्र कुमार साहू ने माल्यार्पण पर कार्यक्रम की शुरुआत की। साथ ही गांव व आस पास कई जनप्रतिनिधि,समाजसेवियों ने पुष्प अर्पित किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। हमारे पूर्वज भामाशाह ने देश की आजादी के लिए तीन हजार स्वर्ण मुद्राएं दान में दे कर मुगल शासकों से मुक्ति दिलाया था।विशिष्ट अतिथि दुलारचंद साहु ने कहा कि एक बार पुनः देश घोर संकट है। वर्तमान में वैश्विक महामारी कोरोना का खतरा बढ़ गया है जिससे मुक्ति के लिए हमें जागरूक होने की आवश्यकता है।इस महामारी से बचने के लिए तन,मन,धन से सहयोग की जरूरत है। सरकारी नियमों को पालन करने के साथ साथ सोसल डिस्टेंस बनाए रखने की सलाह दिया। कोल एरिया टुक ऑनर असोसिएशन अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि रक्सी गांव के लोग बधाई के पात्र है,जिन्होंने गांव में इस दानवीर व महापुरुष की प्रतिमा स्थापित कर समाज को जगाने का प्रयास किया है।इस मौके पर चन्द्रदेव साहु, मनोज साव, सुगन साव, राजेन्द्र साव,जयप्रकाश साहु, हीरा साव, जीवन राम, तापेश्वर राम,महाबीर राणा,थनु साव,राजेश समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।



प्रत्येक व्यक्ति को घर से बाहर सार्वजनिक स्थलों में निकलते

समय मास्क/ फेस कवर पहनना अनिवार्य: उपायुक्त आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई



कोडरमा। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उपायुक्त रमेश घोलप ने कहा कि आगामी आदेश तक, प्रत्येक व्यक्ति को घर से बाहर सार्वजनिक स्थलों में निकलते समय मास्क/ फेस कवर पहनना अनिवार्य किया जाता है। इसके लिए बाजार में मिलने वाले ट्रिपल लेयर मास्क का प्रयोग किया जा सकता है। अथवा होम-मेड तीन परतों वाला फेस कवर बनाया जा सकता है। इस होम मेड मास्क/ फेस कवर को साबुन से सफाई से धोकर एवं 5 घंटे धूप में सुखाकर/ 5 मिनट इस्त्री करने के उपरांत पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है। मास्क/ फेस कवर उपलब्ध न होने की स्थिति में गमछा, रुमाल, टुपट्टा इत्यादि का भी फेस कवर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। कभी भी उपयोग में लाया हुआ फेस कवर, मुँह-नाक ढकने में प्रयुक्त होने वाला गमछा, आदि का पुनः प्रयोग साबुन से अच्छी तरह साफ किये बिना न किया जाए। उपरोक्त आदेश की अवहेलना होने की स्थिति में, गृह मंत्रालय के उक्त आदेश के साथ संलग्न सुसंगत धाराओं यथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के धारा-51 से 60 एवं IPC, 1860 की धारा-188 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जायेगी।

स्वयंसेवी संस्थाओ द्वारा किये जा रहे मदद गरीबों व असहायों के लिए वरदान साबित हो रहा है: रमाशंकर सिंह

कोडरमा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय झारखण्ड सेवा संस्थान, कोडरमा एवं टेरी डेज होम नीदरलैंड के सहयोग से कोडरमा प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र डुमरियाटांड में गरीब एवं असहाय लोगों के स्वास्थ्य किट एवं मास्क का वितरण किया गया। वितरण कोडरमा के प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा, रमाशंकर सिंह,जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव लूसी सोसेन तिगा एवं एसडीजेएम सह न्यायाधीश प्रभारी राजीव कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मौके पर प्रभारी प्रधान जिला जज रमाशंकर सिंह ने कहा कि इस तरह की वैश्विक महामारी जैसी प्रतिकूल परिस्थिति में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओ द्वारा किये जा रहे मदद गरीबों व असहायों के लिए वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं द्वारा ऐसे सुदूरवर्ती ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य किट का वितरण किया जाना अत्यंत ही सराहनीय प्रयास है तथा संस्था के लोग बधाई के पात्र है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति लॉकडाउन में अपने घर से बाहर निकालने की कोशिश न करे तथा जब बहुत जरुरी हो तो घर से निकलते समय मास्क का प्रयोग अवश्य करे एवं सामाजिक दूरी बनाये रखे। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव लूसी सोसेन तिगा ने कहा कि समाज के अतिम व्यक्ति तक केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में प्राधिकार सतत प्रयत्नशील है तथा इस कार्य में ऐसे संस्थाओ का भी काफी सहयोग हमेशा मिलता रहा है छ न्यायाधीश प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी से बचने के लिए सामाजिक दुरी बनाये रखे यही इसका सबसे मुख्य इलाज है।

आप सुरक्षित, मैं सुरक्षित, राष्ट्र सुरक्षित, का नारा तभी सार्थक होगा जब कोरोना हारेगा भारत जीतेगा: रामकृष्ण

संवाददाता कोडरमा। डेमचाच प्रखंड निवासी शिक्षाविद रामकृष्ण मेहता अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों को बताए की विश्व महामारी कोरोना (कोवीड-19) के संकट में सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत के प्यारे देशवासियों भाग दौड़ की जिंदगी में हम धोखे में थे। कि पृथ्वी को बचा सकते हैं प्रदूषण को कम कर सकते हैं लेकिन हम मुझे पता चला कि अगर इंसान अपनी टांग ना अड़ाए तो पृथ्वी खुद को बहुत तेजी से पुनः स्वस्थ करती है। हम धोखे में थे की हम जंग फूड के बिना जीवित नहीं रह सकते सारे जंगे फूड एवं रेस्टोरेंट्स बंद थे। और दुनिया तब भी चल रही थी। हम धोखे में थे कि हम घर से काम नहीं कर सकते। हम धोखे में थे कि हमारी मीडिया बहुत समझदार एवं सुरक्षित हैं। हम धोखे में थे कि हमारे क्रिकेट स्टार हमारे फिल्म स्टार असली हीरो है। पता चला कि यह तो बस मनोरंजन है। हम धोखे में थे कि यूरोप के लोग बहुत समझदार और शिक्षित होते हैं। हम धोखे में थे कि कोई ज्योतिष कोई मौलवी कोई पंडित कोई पुजारी किसी बीमार इंसान की जान बचा सकता है। हम धोखे में थे कि तेल बहुत कीमती चीज है। अब हमें पता चला कि हमारे बिना तेल की कोई कीमत नहीं है। हम चिड़ियाघर के जानवरों को देखकर खुश होते थे जब हम खुद घर रुपी पिंजरे में बंद हुए तब पता चला कि उन जानवरों के लिए यह कितना आवश्यक था हम धोखे में थे कि शॉपिंग मॉल बंद हो जाये तो दुनिया रुक जाएगी शॉपिंग मॉल बंद थे लेकिन दुनिया तब भी चल रही थी हम छुट्टियां मनाने बाहर नहीं जा रहे थे दुनिया तब भी चल रही थी हम देर रात चाय की होटल पर बैठकर टाइम वेस्ट नहीं कर रहे हैं और दुनिया तभी चल रही है जो फर्क पड़ा है वह नकली जिंदगी को पड़ा है फिजूल खर्च बंद हो गई है हम अपने परिवार के साथ टाइम बिता रहे हैं घर के आंगन में बच्चे खेल रहे हैं फूल भी खिल रहे हैं नदियां अब भी बह रही है बल्कि पहले से ज्यादा साफ हो बह रही है गाय अभी भी दूध दे रही है मुरगियां अब भी अंडे दे रही है खेतों में सब्जियां भी उा रही है और आपके घरों तक सब कुछ चीजें पहुंच रही है हमें पता चल गया की भाग दौड़ की जिंदगी में हम धोखे में थे आपसे प्रार्थना है घर में रहे सुरक्षित रहें मैं सुरक्षित आप सुरक्षित राष्ट्र सुरक्षित का नारा तब कहीं जाकर सार्थक हो सकेगा भारत जीतेगा कोरोना हारेगा। -जय हिन्द--

मध्यम वर्गीय परिवार के बीच जीवन हाथी की सफ़ेद दांत की तरह हो गया है: ज्योति भारती

कोडरमा। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का रूप ले लिया है।और इससे भारत भी अछूता नहीं है।जिस तरह से कोरोना की संख्या लगातार बढ़ रही हैं।जिसको देखते हुए केंद्र की सरकार ने जनता की सुरक्षा की दृष्टिकोण से लॉक डाउन की अवधि भी बढ़ रही है इस विकट स्थिति में देश के सामने दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।एक तरह कोरोना तो दूसरी तरफ भुखमरी इससे निपटने की प्रक्रिया में सरकार का जो भी कदम उठेगा उसका समर्थन करते हुए पूर्णरूप से सहयोग करेंगे।उक्त बातें प्रेस ब्यान जारी करते हुए नगर पंचायत कोडरमा वार्ड नं 8 पार्षद ज्योति कुमारी भारती एवं कोडरमा नागरिक मंच सचिव महेश भारती ने संयुक्त रूप से कहते हुए कहा कि लॉक डाउन के कारण जहाँ एक ओर गरीब असहाय,दिहाड़ी मजदूरों,रिक्सा,ठेला चलाने वाले को दो टाइम की भोजन की व्यवस्था में दिक्कत हो रही है तो वहीं उससे ज्यादा मध्यम वर्गीय परिवार के बीच जो दिन रात मेहनत मजदूरी करके अपने व अपने बूढ़े माँ बाप बच्चों का पेट भरते थे।जिसके पास राशन कार्ड भी नहीं है उनलोगों को भी कम दिक्कत नहीं हो रही है।मध्यम वर्गीय परिवार के बीच जीवन हाथी की सफ़ेद दांत की तरह हो गया है।आज के समय मे सबसे ज्यादा भुखमरी की स्थिति इन्ही मध्यम वर्गीय परिवार के बीच है।जिसका कोई सुध लेने वाले नहीं है।इसको देखते हुए जिला प्रशासन व सरकार को कोई ठोस पहल करने की जरूरत है ताकि उनको घर भी लॉक डाउन के दौरान चूल्हा जल सके। बता दे कि लॉक डाउन के दौरान गरीबो असहाय लोगो को तो सरकार के साथ साथ दानवीरों के द्वारा टाइम टू टाइम किसी ना किसी रूप में भोजन की व्यवस्था हो जा पा रही है।इस बीच मध्यम वर्गीय परिवारों को कोई देखने वाला नहीं है जो परिवार घर का रहा ना घट का वही दूसरी ओर उनलोगों ने कहा कि नगर पंचायत के द्वारा वैसे लोगो के लिए जिसके पास राशन कार्ड नहीं है जो गरीब है उनके लिए प्रत्येक वार्डों में मात्र 30 लोगो के लिए 10 -10 किलो चावल मुहैया कराया गया जो नाकाफी साबित हो रहा है।आज लॉक डाउन का पूरे महीना दिन से ऊपर हो गया उस 10 किलो सिर्फ चावल कितना दी चलेगा सोचने का विषय है। इसलिए जिला प्रशासन व सरकार के मांग करते है कि गरीब असहाय परिवारों के साथ साथ मध्यम वर्ग के परिवार जो उस लायक है उनलोगों को भी जिनके पास राशन कार्ड नहीं है उनको भी आधार कार्ड के आधार पर राशन मुहैया कराया जाय ताकि उनके घर भी दो टाइम चूल्हा जल सके।

कोडरमा कांग्रेस कमेटी द्वारा बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती मनाया गया

कोडरमा। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सन् 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित दिन गुरुवार को की गई। मालूम हो कि झुमरीतिलैया स्थित वीर कुंवर सिंह चौक पर जिला अध्यक्ष मनोज सहाय पिंकू के साथ वरीय उपाध्यक्ष आशीष पांडे महासचिव संजय सेठ नारा अध्यक्ष प्रभात राम ने उपस्थित होकर बाबू कुंवर सिंह के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। बाबू साहेब के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज ही के दिन सन् 1858 में 80 वर्ष के बूढ़े उम्र में भी बाबू कुंवर सिंह ने अपने रियासत जगदीशपुर से भाड़े के अंग्रेज फौज को खदेड़ कर अंग्रेजी झंडा यूनिशन जैक उतार कर अपना आजादी का झंडा लहराया था। आज के दिन विजय दिवस के रूप में याद कर सारा देश इन्हें ममन करता है।



संत महात्माओं का देश भारत में संतों की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण: मारुतिनंदन

जमुआ प्रतिनिधी। काशी विश्वनाथ के द्वारा संगीतमय कथावाचक मारुतिनंदन पाण्डेय ने तीव्र भर्त्सना करते हुए कहा कि पालघर महाराष्ट्र जूना अखाड़ा के संतों की निर्मम हत्या की संत समाज एवं कथा व्यास कड़ी निंदा करती है। भारत एक सहनशील देश रहा है जिसमें साधु संतों का हमेशा से सम्मान होता आया है महाराष्ट्र तो संतो की नगरी रही है ऐसी नगरी में संतो की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है इसकी कड़ी निंदा करता हूँ एवं महाराष्ट्र सरकार से निवेदन करता हूँ कि दोषियों पर जल्द से जल्द सख्त से सख्त कार्रवाई करें ताकि कोई भी फिर से ऐसे जघन्य,कुत्सित प्रयास नहीं कर सकें व आस्था,विश्वास बरकरार रहे। संत महात्माओं का जीवन प्रेरणादायक, अनुकरणीय होता है जिन्होंने सदैव मानव सहित पशु,पक्षी,जीव,जंतुओं की जीवन रक्षार्थ कल्याण की दिशा में अपना सर्वस्व न्योछवर किया है। अध्यात्म व विज्ञान एक दूसरे अनुरूपक है।



पीतल का हड़िया, स्टील का हड़िया चोरी

देवरी(गिरिडीह)। बीते बुधवार रात्रि को देवरी थाना क्षेत्र के चतरो बजार स्थित तुलसी अहार के पास मनकडीहा गांव निवासी राजेन्द्र राय के गुमटी में अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर गुमटी नुमा दुकान में रखा लगभग छ हजार का सामान चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत भुक्तभोगी राजेन्द्र राय ने बताया कि लोक डाउन के कारण गुमटी में ताला लगा हुआ था जहाँ बीते बुधवार देर रात को अज्ञात चोरों ने मेरे गुमटी का ताला तोड़कर गुमटी में रखा पीतल के हड़िया, स्टील का हड़िया, पीतल के सिंघासन, निमकी , साबुन , सतुआ, बिरकुट मिक्कर, कुरकुरे सहित लगभग छ हजार का सामान चोरी कर लिया गया ।उन्होंने स्थानीय प्रशासन से चोरो की खोज बिन करने का मांग किया है बताते चलें की यह घटना देवरी थाना क्षेत्र के लिए नया नहीं है इसके पहले भी दर्जनों घरों व दुकान की ताला तोड़कर चोरी की घटना का अंजाम दिया जा चुका है बताते चलें की बीते शनिवार को भी इसी थाना क्षेत्र के जालखरीयोडह मोड़ व पतरवा के पास दो गुमटी व दो होटल सहित चार जगहों पर अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर हजारो के सम्पति चोरी कर ले गया था जिसमें चोरों ने ताला तोड़कर जालखरीयोडीह गांव निवासी राजेन्द्र दास जरिया बागी गांव निवासी गंगाधर तिवारी के होटल व इसी थाना क्षेत्र के परसा टांड गांव निवासी के बी तिवारी के गुमटी पतरवा स्थित तिवारी ढाबा सहित चार जगहों का ताला तोड़ कर हजारों की सम्पति चोरी ले गया था लेकिन उक्त चोरो का कोई अता पता आज तक नहीं चल पाया है जिससे लोग काफी परेसान व भयभीत दिख रहे है इधर देवरी थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया की ऐसी कुछ सुचना मुझे नहीं मिली है

आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका को भी मास्क, सेनिटाइजर व गलब्स मिले: मीरा देवी

कोडरमा। झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका सहायिका कोडरमा सखी संघ (सीटू) की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी, जिलाध्यक्ष शोभा प्रसाद व जिला सचिव वर्षा रानी ने संयुक्त बयान जारी कर आंगनबाड़ी सेविका सहायिका और पोषण सखी को मास्क, सेनिटाइजर और गलब्स सहित सभी सुरक्षा कीट देने की

मांग की है। सीटू की ओर से जारी बयान मे यूनिशन नेताओं ने कहा कि कोविड - 19 कोरोना महामारी मे जागरूकता अभियान, सर्वे आदि कामों मे आंगनबाड़ी कर्मियों को लगाया जा रहा है जिसका हमे गर्व है और हम अभियान से जुड़ने को तैयार हैं।. लेकिन बिना सुरक्षा व्यवस्था के काम करना संभव नहीं है. आंगनबाड़ी की सेविका

सहायिका सभी गरीब परिवार से आती है, लॉक डाउन मे सभी आर्थिक संकट से जुझ रही है, ऐसे मे स्वयं सुरक्षा संसाधनों की व्यवस्था नहीं कर सकती है, इसलिए सीटू मांग करता है कि सेविकाओं को कोरोना जागरूकता अभियान मे लगाने के पूर्व हमे सभी तरह की जरूरी सुरक्षा कीट उपलब्ध कराया जाय।

भंडारावा में 6 वर्षीय बच्ची के साथ 60 वर्षीय व्यक्ति ने किया दुष्कर्म करने का प्रयास

कोडरमा। समसार करने वाली घटना थाना क्षेत्र के भंडारावा में गुरुवार सुबह 11 बजे 6 वर्षीय बच्ची के साथ 60 वर्षीय व्यक्ति ने किया दुष्कर्म का प्रयास।मिली जानकारी के अनुसार भंडरावा निवासी रघुनाथ चौधरी ने कोडरमा थाने में आवेदन देकर बताया कि मेरी पोती रोज की तरह अपने घर के बाहर खेल रही थी उसी क्रम में घर के बगल में राशन दुकानदर 60 वर्षीय सबदर मियां ने गलत नियत से बहला फुसलाकर अपने दुकान के अंदर ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने लगा।जिससे मेरी पोती जोर जोर से चिल्लाई।आवाज सुनकर मैं उसके दुकान के पास गया तो देखा की मेरी पोती पर सबदर मियाँ का कपड़ा खुला था। जिसके बाद मैं हल्ला करने लगा जिससे वो मुझे धक्का देकर भागने में सफल हुआ।वहीं घटना के बाद बच्ची के पिता दिलीप चौधरी ने पुलिस को खबर किया।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी द्वारिका राम दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले को लेकर गहनता से जांच में जुट गये। खबर लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच करके आरोपी की गिरफ्तारी जल्द की जायेगी।

सीआरपीएफ ने बरामद किया विस्फोटकों का जखीरा

माओवादियों के खिलाफ गुरुवार को पुलिस व सीआरपीएफ को उस वक्त बड़ी सफलता हाथ लगी, जब गुप्त सूचना के आधार पर ऑपरेशन एएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में सीआरपीएफ व भेलवाघाटी थाना पुलिस से थाना क्षेत्र के अरवरा जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाकर बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ जप्त किये. इसके लिए सर्च ऑपरेशन की टीम ने खोजी कुत्ते का सहारा लिया. इसके बाद टीम को अरवरा के घने जंगल के बीच जमीन के पांच फीट भीतर विस्फोटक पदार्थों का जखीरा बरामद हुआ.

एसडीओ करेंगे अंतर जिला में आवाजाही के लिए पास निर्गत, डीटीओ करेंगे अंतर राज्य में आवाजाही के लिए पास निर्गत

धनबाद। उपायुक्त अमित कुमार ने लॉकडाउन में कटेनमेंट जोन में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई के लिए अपर समाहतां श्री श्याम नारायण राम को प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है। अपर समाहतां को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में चिन्हित किया गया है।

जन वितरण प्रणाली, मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्रों से पोषाहार वितरण, स्कूल के मध्याह्न भोजन, सामाजिक सुरक्षा के तहत

पेंशन योजनाएं, मनरेगा सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए उप विकास आयुक्त श्री बाल किरुण मुंडा को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित किया है। उप विकास आयुक्त एनजीओ, सीएसओ, कॉरपोरेट्स, प्राइवेट इंडिविजुअल से समन्वय कर कल्याण एवं राहत कार्यों को संपादित कराएंगे। अंतर जिला में आवाजाही करने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी श्री राज महेश्वरम को पास निर्गत करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। वे आवश्यकतानुसार इंसीडेंट

कमांडर के प्रतिवेदन के आधार पर पास निर्गत करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। अंतर राज्य आवाजाही के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी श्री ओम प्रकाश यादव को पास निर्गत करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। वे इंसीडेंट कमांडर के प्रतिवेदन के आधार पर पास निर्गत करने की आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उपायुक्त ने जिले में माइश्रेट लेकर की समस्याओं के समाधान के लिए श्रम अधीक्षक को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित किया है।

भगवान परशुराम जैसा तेज और त्याग आज कहीं नहीं

अक्षय्य तृतीया बहुत ही पावन तिथि है कहा जाता है कि इस तिथि को किया गया कार्य का क्षय नहीं होता नाश नहीं होता है इस दिन विधि विधान से किए गए जप-पठ तो हजारों गुना फलदायी होते हैं। ऐसा शास्त्रों ने और संतों ने बताया शुभ मुहूर्त 25 / 4 / 2020 समय 11:50 प्रातः से 26/4 / 2020 समय 1:21 दोपहर तक है। इस स्थिति में है हम सभी अपने घर पर ही है। इस अवसर का लाभ अधिक से अधिक किये जाते। 25/4 /2020 को अक्षय्य तृतीया निमित्त भगवान परशुराम का पूजन करें। चालीसा का पाठ करें। जप पठ करें और संध्या 7:00 बजे कम से कम पांच से गयाह दो दीपक अपने घर के बालकोनी में गेट पर जलाकर पूजन, घंट, करतल ध्वनि करते हुए, भगवान परशुराम का स्मरण करें। भगवान चिरंजीवी अभी भी है। इस लोक में है। उनकी कृपा राम ने भी जाना। कृष्ण ने भी जाना। शिव ने भी जाना, और हम आज ब्राह्मण राष्ट्र पुरोहित बनकर महिमा को जान रहे हैं। ब्राह्मण अपने ज्ञान और मंत्र बल से समाज को जान देता है। और देने में निरंतर प्रवर्धशील है। उत्पन्न इस परीक्षा की घड़ी में जब-जब समाज पर संकट आया उसका संपूर्ण नाश भगवान परशुराम ने किया। आज कोरोना जैसी महामारी का नाश इसी तिथि को करेंगे। हम प्रदशे बासियों से निवेदन करते हैं कि अपने अपने घर में ब्रह्मांड की शुद्धि घर पर रखकर करें। और नया इतिहास बनाएं। ओरोपेता की कामना करें। अरुहाय होने पर भाव जगती और निराश करती है। निराश मन का प्रभाव घर पर पड़ता है संपूर्ण अस्तित्व का नाना ब्रह्म है। परब्रह्म परमात्मा को रखने हेतु राष्ट्र कल्याण करने हेतु। अक्षय्य तृतीया 25 तारीख को मनाएं। भगवान परशुराम का पूजन करें। और संध्या 7:00 बजे दीप जलाएं। घर के बालकोनी या मुख्य द्वार पर शंख और घंटा बजाएं। भगवान परशुराम का चिंतन करें करतल ध्वनि से हरिनाम का गुंजन करें। 26 तारीख को भी प्रातः 8:00 बजे से घर में हवन करें। संध्या 7:00 बजे इस दिन की घर के गेट या बालकोनी में दीप प्रज्वलित कर शंख बजाएं, करतल ध्वनि से हरिनाम का गुंजन करें। घर पर ही रहे सामाजिक दूरी बनाकर। इन दिनों में भगवान परशुराम का चिंतन करते हुए जीवन को धन्य बनाएं अक्षय्य तृतीया 25 और 26 को मनाएं हमारे चेयरमैन पंडित मंगिराम सर्मा जी विश्व ब्राह्मण संघ के उन्होंने 25 को आवाहन किया है लेकिन यहां प्रदेश में उदया तिथि को लोग मानते हैं इसलिए कोई भ्रमित ना हो हम दोनों दिन मनाएंगे, भगवान का नाम के लिए यह आनंद का दिन है उसव का दिन है अपने पास पड़ोस कोई भूखा ना रहे, ईश्वर गेज अन दान भी करें। मानव जाति का सेवा करें, मानव उत्थान हेतु अधिक से अधिक सेवा प्रकल्प चलाएं। पूजा का, पाठ का अधिक से अधिक दीप प्रज्वलन का, परिवार के साथ कार्यक्रम को मनाते हुए, आपा-बीडियो सोशल मीडिया पर अधिक से अधिक शेयर करें। ताकि समाज में जागृति आए। हम आवाहन करेंगे विश्व ब्राह्मण संघ की ओर से कि सभी भाई-बहन मोहल्ले के जो भी हैं चाहे वह अमीर हैं या गरीब हैं सभी लोग एक दीपक अवश्य जलाएं किसी भी जाति धर्म से हो इस पावन पर्व का लाभ लें। करोना वायरस विनाश एवं जनकल्याण के लिए अक्षय्य तृतीया को दीप प्रज्वलित कर इस महा पर्व को मनाएं।

संवाददाता

संवाददाता

संवाददाता

संवाददाता

संवाददाता

संवाददाता

प्रत्यः यह देखा जा रहा है कि कई लोग अनावश्यक रूप से धरो से बाहर निकल रहे हैं। वाहनो का परिचालन भी अनावश्यक रूप से कर रहे हैं। सख्तो से इसकी जांच करते हुए यह सुनिश्चित करें कि लोग अनावश्यक रूप से अपने धरो से नहीं निकलें। वाहनो का परिचालन भी अनावश्यक रूप से नहीं करें। अत्यक्ष ने लिखा है कि पास निग्त करने को प्रक्रिया/ व्यवस्था का विकेंद्रीकरण किया गया है। ऐसी सूचना मिल रही है कि कुछ लोग पूर्व में इमरजेंसी के लिए निग्त किये गये पास का अनावश्यक इस्तेमाल कर रहे हैं। इसपर कईाई से रोक लगाई जाए। वैसे पास को निरस्त किया जाए। इसके अलावा धरो से बाहर निकलने पर व्यक्ति के मास्क या फेस कवर पहनना अनिवार्य है। कार्य क्षेत्र, किसी बैठक, प्रशिक्षण या किसी एक्टिव होने वाले समारोह पर लोगों के बीच 6 फीट से अधिक की दूरी बना आवश्यक है।

कोरोना को लेकर राजनीति न हो

जानलेवा कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 20,000 हो चुकी है। इसके बावजूद भारत में स्थिति काबू में है। एक अमेरिकी संस्था ने अपने सर्वे में कहा है कि कोरोना से निपटने में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले नंबर पर हैं। भारत की यह उपलब्धि देश के कुछ विपक्षी दलों को रास नहीं आ रही है और वे लगातार मोदी सरकार पर निशाना साध कर दुनिया में देश की छवि घुमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सत्तापक्ष और विपक्ष कंधे से कंधा मिलाकर इस वैश्विक संकट से निपटने का रास्त तलाशें। किन्तु मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए कुछ न्याम धन्य नेता अनरगल प्रलाप कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी तो सीधे केन्द्र से टकराव मोल ले रही हैं। उन्होंने पहले तो सीधे केन्द्रीय टीक को भेजे जाने का कड़ा विरोध किया लेकिन जब केन्द्र सरकार ने तल्लू तैवर दिखाए तब कहीं जाकर उन्होंने केन्द्रीय दल को भेजे जाने में काम करने की इजाजत दी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के किया कलापों पर सीखी प्रतिक्रिया देते हुए बंगाल के राज्यपाल ने आरोप लगाया है कि बंगाल सरकार जमातियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही नहीं कर रही है और गरीबों के हिस्से के राशन की बंदरबांट कर रही है। इधर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी विवादास्पद ट्वीट कर कहा है कि आखिर हिन्दुस्तान के गरीब कब जागेंगे, आप भूखे मर रहे हैं और वो आप के हिस्से के चावल से सेनेटाईजर बनाकर अमीरों के हाथ साफ करा रहे हैं। देश जब संकट के दौर से गुजर रहा है तब इस तरह की टीका टिप्पणी कर राजनीति करना कदाई उचित नहीं है।

एलीट का केन्द्रीय खरब एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रामविलास पासवान ने जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि देश में अनाज का पर्याप्त भंडार मौजूद है। अतिरिक्त चावल से ही बायो ऐथेनॉल बनाकर उससे सेनेटाईजर बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि सेनेटाईजर ही कोरोना के संक्रमण से बचाव का कारगर उपचार है, सेनेटाईजर का उपयोग अमीर और गरीब सभी लोगों के लिए जरूरी है। बेहतर होगा कि कोरोना के कारण देश में जो हालात बने हैं उससे निपटने के लिए सभी मिल जुलकर काम करें इस मुद्दे पर राजनीति न करें, राजनीति करने के लिए मुद्दों की कमी नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विपक्ष स्तर हीन राजनीति करना बंद कर के कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार का साथ देगा।



-डॉ. श्रीनाथ सहाय

समाज-निर्माण में व्यक्ति नामक इकाई की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। निर्दिष्टात सात है कि एकजुटता की कड़ी से जुड़ी यह इकाई प्रतिक्रियाशील परिवर्तन ला सकती है। वर्तमान में कोरोना वायरस से निपटने के लिए देशवासी विभिन्न रूपों में एकजुटता का परिचय दे रहे हैं। हर गेटगाव से उफट उठकर टूक सब के लिए, सब एक के लिए दर्शन का अनुकरण किया जा रहा है। स्वास्थ, सफाई व पुलिस कार्यों का प्रमाण से अपन करती विगह रहे हैं। भारत की बैकटीरिय स्थिति इस बात का प्रमाण है कि हर आग व खास जल प्रशासनिक निर्देशों की अनुपालन कर रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए आगे वाले समय में इसी एकजुटता के बल पर हमारा देश कोरोना वायरस से पूरी तरह से निपट कर ले सके।

कोरोना के कहर का बढ़ता दायरा

देश में कोरोना वायरस से संक्रमितों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोनावायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 20,152 हो गई है। अब भारत अमेरिका, स्पेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन समेत उन 17 देशों में शामिल हो गया, जहां संक्रमण के 20 हजार से ज्यादा केस हैं। देश में बीते मंगलवार रात तक 1537 नए मरीज सामने आए। यह संख्या लगातार चैथे दिन 1 हजार से अधिक है। अच्छी बात यह रही कि कल रिकॉर्ड 702 मरीज ठीक हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों को आगाह किया है कि अभी कोरोना वायरस का फैलाव धमा नहीं है, बल्कि इससे भी बुरे, भयावह और विनाशकारी दौर का आना अभी शेष है। इसमें दो राय नहीं है कि देश में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण व मृतकों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए लोकडायन के निर्णय की सार्थकता पर मोहर लगाई है। इस निर्णय में देश की कोमल विश्व की महशुशक अमेरिका व अन्य विकसित यूरोपीय देश चुका रहे हैं। ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिसंबर, 2019 में भी ऐसी ही चेतावनी दी थी कि एक नया वायरस फैलने वाला है, जिस पर अभी तक शोध बहुत कम हुए हैं। वायरस अस्पष्ट, अज्ञात और अदृश्य है, लिहाजा उसके बारे में अभी कुछ कहना उचित नहीं है। संगठन ने यह भी संकेत दिया था कि चीन से वायरस की शुरुआत हो सकती है, लेकिन दुनिया के अधिकतर देशों ने उस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया और नतीजे सामने हैं। दुनिया के विकसित और बड़े देश भी कटे पेड़ की भांति टूटते हुए लग रहे हैं। बेशक चीन में जिनगी फिर सामान्य होकर पटरी पर लौटने लगी है। वहां मेट्रो और दूसरी परिवहन सेवाओं को खोल दिया गया है। बाजारों में गैसक लीट रही है, लेकिन चीन की अर्थव्यवस्था की बहली में अभी बक लगेगा। दुनिया का सबसे ताकतवर और अमीर देश अमरीका पूरी तरह घुटनों पर आ चुका है। वहां कच्चे तेल की कीमतें ब्रह्मात्मक हो चुकी हैं। अमरीका 4.4 प्रमुख देशों को तेल की आपूर्ति करता है। दुनिया के करीब 1.75 लाख लोग कोरोना से संक्रमित होने के बाद मर चुके हैं और करीब 26 लाख लोग अब भी संक्रमण के मरीज हैं। अमरीका और यूरोपीय देशों में पूंजीवाद छह रहा है। उनके आर्थिक हालात अतंतः बसा होंगे, अभी कुछ भी आकलन करना मुश्किल है, क्योंकि संक्रमण का प्रसार शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। इन देशों में मौत

का आंकड़ा अप्रासंगिक हो चुका है, क्योंकि लाशों की गिनती ही बेहद तेज गति से जारी है। इन हालात में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगाह किया है। हालांकि संभावित विनाश को पूरी तरह परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संगठन का बयान असहज लगता है। आखिर यह विनाश कहां जाकर रुकेगा? क्या मौत के आंकड़े दोनों विश्व-युद्धों के रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे?

बसा विनाश से पूर्व कोरोना के वैक्सीन या उसकी दवाओं पर जारी प्रयोग किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचेंगे? क्या लोकडायन और देह की दूरी आदि उपायों से भी विनाश को

ने लोकडायन का फैसला समय से पहले ही ले लिया और उसे शिदत से लागू भी किया गया।

हालांकि हमारे देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 18,000 के पार जा चुकी है, लेकिन इलाज के बाद ठीक और स्वस्थ होने का औसत करीब 15 फीसदी है। अब मरीजों की संख्या करीब 8 दिन में दुगुनी हो रही है, जबकि लोकडायन से पहले यह औसत 3.5 दिन का था। मंत्रालय के मुताबिक, 18 राज्यों में 19 अप्रैल तक मरीजों की डबलिंग कम हुई है और बीते 14 दिनों के अंतराल में 23 राज्यों के 59 जिलों में कोरोना का कोई भी केस सामने नहीं आया है। गोवा और मणिपुर सीधे राज्य कोरोना-मुक्त हो माने जा सकते हैं। इस तरह विश्व के अन्य पड़ोश देशों का तुलना में भारत की स्थिति फिहाल बेहतर है। सवाल यह है कि जब दौर विनाश का होगा, तो हम कितना प्रभावित होंगे और उस लिहाज से क्या हम तैयार हो रहे हैं? कोरोना महमारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इसको देखते हुए प्रधानमंत्री ने लोकडायन को 3 मई तक बढ़ाने की घोषणा की है। अगर कोरोना वायरस को निर्विघ्न करने के लिए लोकडायन को सफल बनाना है तो सरकार को खासकर ब्रह्मिक वर्ग के लोगों की खाने-पीने, रहने, सफाई तथा दवाई का विशेष प्रबंध करना पड़ेगा। वहीं सख्ती से सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखना पड़ेगा। देश के प्रत्येक नागरिक को इमानदारी से अपनी सुरक्षा के लिए लोकडायन का कड़ाई से पालना करना होगा। देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामले को देखते हुए प्रधानमंत्री द्वारा लोकडायन की अवधि 3 मई तक बढ़ा दी है। यह पूरे राष्ट्र के लोगों के सन्न व धैर्य की आग्नि परीक्षा है ताकि इस आपदा से सुरक्षित तरीके से बाहर निकल सकें। इस संकट से पार पाने का यही तरीका है। पीएम ने 'जान भी ख़तम भी' का मंत्र घोषित कर यह संकेत दे दिया है कि लोकडायन पाट-2 पहले से अलग होगा। प्रश्न यह है कि लगातार बढ़ती संक्रमितों और मृतकों की संख्या, नये-नये संवेदनशील क्षेत्रों का सामना आना, छिपे बड़े जमातियों और कुतर्कपूर्ण व्यवहार कुछ भी तो पुरणतया नियंत्रण में नहीं है। ऐसी स्थिति में लोकडायन में शिथिलता कहीं जल्दबाजी तो नहीं? कोरोना महमारी से बचने के लिए जो अभी तक उपाय किये गये कहीं उस पर पानी न फिर जाये। फिर भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपने निर्णय से देश हो नहीं, अपितु दुनिया को नई राह दिखाएंगे।

कविता

दुनिया का मोह मन में

निला अम्बर लहराती नदियाँ
प्रकृतिक से भरा ये फूलों की दुनिया ।
ये चीजें मोक्ष के आड़े आ जाता है ।।
जीवन का कड़वा सत्य को जब भी पीती हूँ ।
दुनिया का मोह मन में आ जाता है ।
हृदय तले हर भड़्डी घुटता है मन
फिर भी मुझे मुस्कुराना है
क्षमा याचना कर के फिर भी जीवन को स्वर्ग तो बनना है ।
जीवन का कड़वा सत्य है
सांस चलते मोक्ष कहा पाना है
मुस्कुराती सबेरा, मोती की जैसे ओस की बूँद,
चहचहाती हुईं पंखी ।
ये देख मोक्ष के आड़े आ जाता है ।।
कितने रंग कितने रूप इस जग में कितने भुप
ये सोच के मन सबरा सा जाता है ।
पर जीत लूं मैं इस जग को ये मेरा हृदय भरा अभीलाषा है ।
पुल नहीं मैं शाख बनू,
पंखी का मैं खाल बनू
मेरे अस्तित्व के छाएँ से
प्रेम का मैं राग बनू
मेरी क़ाय़ा मेरी मेरी छाया
मोक्ष के आड़े मैं आ जाता है
जिवन से मैं प्रित करूँ
पर्वत के जैसे मैं खाल बनू
ये मोह मुझे हर बार साताता है ।।
मेरे जीवन के अदृश्य लक्ष्मीं
विचलित मन बिखरे रिरते ।
इसे सहेजुँ इसे समेटूँ
फिर मोक्ष के आड़े आ जाता है ।

लेखक : तबस्सुम परवीन
अम्बीकपुर, छत्तीसगढ़





अनिल जैन

प्रधानमंत्री के इस संबोधन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहलू यह रहा कि इस बार वे अपनी फिर-पलटित उत्तरदायित्वों से मुक्त लगे गए। अपने पार्ले के संबोधनों की तरह उन्होंने लोकडायन के दौरान आने वाले दिनों में ताली, खाण्ी, घटा, राख आदि कालों या टीका-मोमबारी जलाने जैसा कोई उत्सवी टास्क जनता को नहीं दिया गया। हालांकि इनसे आकाश खराब-आकाश चालाक समर्थक वर्ग विभिन्न ही कितन हुआ है, लेकिन कोरोना के संक्रामक से बचाव की दिशा में यह एक बेहद महत्वपूर्ण बात है। क्योंकि पहले 22 मार्च को जनता काफ़ी के दौरान ताली-घांती और होल-डमकरी के साथ सड़कों पर शिकारे दिवाली जुलूस और फिर 5 अप्रैल (भाजपा के 40वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर) टीका-मोमबारी और माला जुलूस तथा आतिशबाजी के आयोजन ने संक्रामक को बढ़ाने में ही योगदान दिया है।

इस आपदा काल में प्रधानमंत्री देश को आश्वस्त नहीं कर सके

कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार बार देश से मुलाकाब हो चुके हैं। पिछले सप्ताह 14 अप्रैल को राष्ट्र के नाम उनका चौथा औपचारिक संबोधन था, लेकिन उसमें भी कोरोना संक्रमण के खोप और लोकडायन के चलते तमाम तरह की दुश्रारियों का सामना कर रही जनता को आश्वस्त करने जैसी कोई बात नहीं थी। उनका यह संबोधन लोकडायन बढ़ाने की घोषणा के निमित्त था। चूंकि पांच-छह राज्य सरकारें अपने-अपने सुबे में पहले ही लोकडायन की अवधि 16 दिन यानी 30 अप्रैल तक बढ़ाने का एलान कर चुकी थीं, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उनके एलान से हट कर कुछ नया दिखाने के मकसद से 16 के बजाय 19 दिन के लिए लोकडायन बढ़ाने का एलान किया। अवसर के मुताबिक पोशाक धारण करने, मेकअप करने और भाव-भंगिमा बनाने में तो प्रधानमंत्री मोदी बेजोड़ हैं ही, अपनी नाकामियों को उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर गलतबयानी करने के मामले में भी उनके मुकाबले कोई नहीं टकर सकता। अपनी शक्तिशाल्य की इन तमाम खूबियों के साथ देश के समक्ष प्रस्तुत हुए मोदी ने कोरोना संक्रमण से निवटने के मामले में भरपूर गलतबयानी की और अपनी नाकामियों को भी उपलब्धियों की तरह पेश करते हुए खुद की पीठ धपकाया।

प्रधानमंत्री ने फर्माया कि जब भारत में कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं था, हमने कोरोना प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग करते हुए संक्रमित पाए गए लोगों का 14 दिन का आइसोलेशन शुरू कर दिया था। उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार के समय से उठए गए कदमों की वजह से ही हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले कोरोना मरीजों की संख्या बहुत कम है। दरअसल प्रधानमंत्री यह दावा करने से पहले अगर इस बारे में अपने कैबिनेट सचिव राजीव गाँबा के लिए गए बचन को देख लेते तो शायद यह गलतबयानी करने से बच जाते।

कैबिनेट सचिव करीब दो सप्ताह पहले ही यह स्वीकार कर चुके हैं कि 8 जनवरी से 23 मार्च तक लगभग 15 लाख यात्री भारत आए थे। उन्हें अपने दिया गया और बगैर उनकी

अपने यहां संगीन होते हालात को नजरअंदाज कर भारत चले आए, क्योंकि उनकी प्राथमिकता में भी उनकी चुनावी राजनीति सबसे ऊपर थी। हमारे यहां स्थिति गंभीर होती जाने के बावजूद क्वीकत तो यह है कि लोकडायन करने का फैसला लखनऊ में सिने गायिका कनिका कपूर के संक्रमित पाए जाने पर हड़कोप मचने के बाद ही किया गया। उस फैसले पर अमल में एक सप्ताह की देरी भी मध्य प्रदेश में सरकार गिराने-बनाने के खेल के चलते की गई। कनिका कपूर लखनऊ में जिन तीन-चार हवाई प्रोमोडल पार्टियों में शामिल हुई थी, उनमें से एक पार्टी के आयोजक पुराने कांग्रेस नेता अकबर अहमद उम्मी थे। उनकी पार्टी में उनसे पुरानी मित्रता निगमने के लिए राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी अपने सासर बेटे दुष्यंत सिंह और बहू के साथ शामिल हुई थी। दुष्यंत अपने दिन यानी 17 मार्च को संसद भवन में भी शामिल हुए थे।

उसी दिन राष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान के सांसदों की राष्ट्रपति भवन में भोज पर आमंत्रित किया था, जिसमें करीब 90 सांसद शामिल हुए थे। इसी दौरान मध्य प्रदेश में सरकार गिराने-बनाने के खेल के चलते विधायकों को भी बसों में भर कर इस रिसॉर्ट से उस रिसॉर्ट या होटल में ले जाया जा रहा था। सरकार गिरने के बाद उसका गिरने मानने के लिए भोपाल में भाजपा कार्यालय पर करीब तीन हजार कार्यकर्ता जुटे थे। लेकिन इन सभी आयोजनों पर प्रधानमंत्री चुपची साधे थे। सरकार के कीर्ति में मगन रहने वाले मोडिया में भी इन आयोजनों पर कोई सवाल नहीं उठा। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिरने के बाद नए मुख्यमंत्री के चयन में भी तीन दिन खर्च हुए। अंततः 23 मार्च को जब शिवराज सिंह ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली तो अगले दिन प्रधानमंत्री ने टीवी पर आकर तीन सप्ताह के लोकडायन का एलान किया।

जहानाबाद / बेटी की शादी नहीं होने से पिता ने खुद को मारी गोली

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद जिले में लोकडायन के कारण बेटी की शादी स्थगित होने से परेशान एक पिता ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना कल्या ओपी क्षेत्र के छोटी कल्या गांव की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। मृतक कल्या पंचायत के पूर्व मुखिया टिळू सिंह का छोटा भाई शिवाधार सिंह उर्फ बाबो सिंह हैं। घटना के संबंध में मृतक के बेटे अभिषेक कुमार ने बताया कि घर में छोटी बहन की शादी थी। 19 अप्रैल को तिलक और 25 अप्रैल को बारात आने वाली थी। शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थी। लोकडायन की अवधि दोबारा बढ़ाई गई तो शादी की तिथि को स्थगित करना पड़ा। इस बात को लेकर वे कई दिनों से परेशान चल रहे थे। इसी को लेकर बुधवार देर रात उन्होंने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि डिप्रेशन के चलते यह कदम उठाया गया है। हालांकि, पूरी जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। जांच में यह भी सामने आया है कि जिस हथियार से गोली मारी गई है उसका लाइसेंस नहीं था। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि रिवांल्वर किसका है और यह घर में कहां से आई।

पुलिस पदाधिकारी और जवानों के ऊपर पुष्प वर्षा

बेतिया/ पकड़ी चौक पर स्थानीय लोगों के द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखते हुए मझौलिया थाना के पुलिस पदाधिकारी और जवानों के ऊपर पुष्प वर्षा किया गया। हर दिन की भांती आज फिर मझौलिया थाना से जब पेट्रोलिंग के लिए थाना अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता अपने सहयोगी सीके तिवारी, पंकज सिंह, उदय कुमार नीतू कुमारी नेहा कुमारी और अन्य पुलिस वालों के साथ पकड़ी चौक से गुजर रहे थे उसी समय स्थानीय लोग और कुछ समाजसेवीयो के द्वारा पुलिस वालों के ऊपर पुष्प वर्षा करने लगे। लोगों का ऐसा प्यार और स्नेह देखकर मझौलिया थाना प्रभारी कृष्ण मुरारी गुप्ता भी आश्चर्यचकित थे। उन्होंने कहा कि लोगों ने हम परेशान नहीं करेंगे और असाમાजिक उपद्रवी तथा गुंडों को हम छोड़ेंगे नहीं। समाजसेवी मनीष कश्यप ने कहा कुछ तुम कहो कुछ हम करें आओ मिलकर कोरोना को खतम कर। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय निवासी वैभव पांडे, मनीष कश्यप, मिंकु शाही, निर्मला तिवारी, सनत कुमार होत्री, अमरेश कुमार तिवारी, टीपू सुल्तान, अर्जुन शाही, सोनू कुमार, दीपक जयसवाल आदि के द्वारा किया गया।

जहानाबाद / बेटी की शादी नहीं होने से पिता ने खुद को मारी गोली

जहानाबाद जिले में लोकडायन के कारण बेटी की शादी स्थगित होने से परेशान एक पिता ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना कल्या ओपी क्षेत्र के छोटी कल्या गांव की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। मुखिया टिळू सिंह का छोटा भाई शिवाधार सिंह उर्फ बाबो सिंह हैं। घटना के संबंध में मृतक के बेटे अभिषेक कुमार ने बताया कि घर में छोटी बहन की शादी थी। 19 अप्रैल को तिलक और 25 अप्रैल को बारात आने वाली थी।

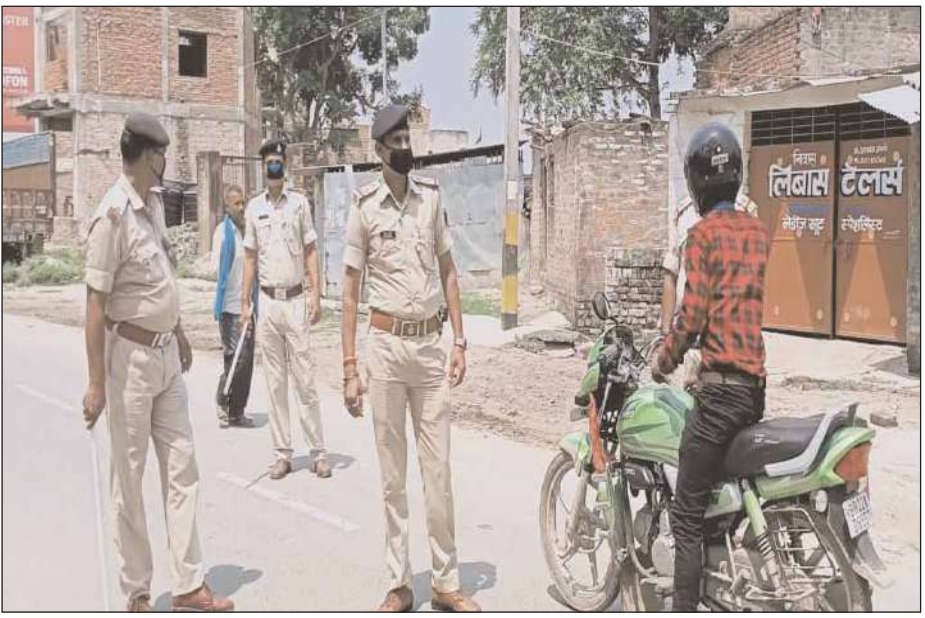


टिळू सिंह मृतक शिवाधार सिंह के बड़े भाई ने बताया कि वे बेटी की शादी स्थगित होने से काफी परेशान थे

वाहन जाँच के क्रम में जुर्माना वसूला गया

चनपटिया। थाना के मुख्य दरवाजे के सामने गुरुवार को वाहन जांच अभियान चलाया गया ताकि लोकडायन के दौरान अनावश्यक लोग घर से बाहर ना निकलें। वाहन जाँच अभियान में दर्जनों गाड़ियों से हजारों रुपये का जुर्माना वसूला गया। एकरफ पूरा देश कोरोना संक्रमण बीमारी से परेशान है तो दूसरी तरफ पुलिस अधिकारियों ने कड़ी मशक़त के बीच लोक-डायन पालन कराने व सोशल डिस्टेंसिंग बहाल रखने को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। थानाध्यक्ष मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर बेवजह घूमने वाले वाहन के विरुद्ध जुर्माना लगाया जा रहा है। ताकि सरकार के आदेश का शत-प्रतिशत पालन हो।

वहीं कुमारबाग ओपी पुलिस ने भी थाना गेट के सामने एनएच पर वाहन जांच अभियान चलाया। जहां कोरोना महामारी में अनावश्यक रूप से सड़कों पर मटरासती करने वाले दर्जनों वाहनों से हजारों रुपये का जुर्माना वसूला गया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार रजक ने बताया कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर बेवजह घूम रहे वाहन चालकों से जुर्माना वसूला गया है ताकि सरकार द्वारा जारी लोकडायन का शत-प्रतिशत पालन हो सके।



अलीशा ने अपनी मेड को दी एडवांस 3 महीने की सैलरी

कोविड .19 के संक्रमण से बचने के लिए सरकार ने सभी देशवासियों को लॉकडाउन का पालन करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में सभी टीवी और फिल्म कलाकार अपने अपने घरों पर रहकर अपना ब्वारंटइन टाइम बिता रहे हैं। इसी कड़ी में मेरी गुड़िया शो की एक्ट्रेस अलीशा पंवार न सिर्फ खुद अपने घर का पूरा काम खुद कर रही हैं बल्कि इस समय देश में चल रही कठिन परिस्थिति को देखते हुए अपनी मेड को छुट्टी पर भेजा दिया है, साथ ही उन्हें तीन महीने की एडवांस तनखाह भी दी। आपको बता दें की आजकल अलीशा अपने घर का सारा काम खुद कर रही हैं। घर की साफ सफाई से लेकर खाना बनाना, घर के अन्य सभी काम वह खुद संभाल रही हैं। इससे पहले अलीशा की मेड उनके घर का पूरा काम संभालती थी पर देश के मौजूदा हालात बिलकुल ठीक नहीं हैं। ऐसे में हम सभी को एक दूसरे के लिए खड़े होना होगा यह समझते हुए अलीशा ने अपनी मेड को उनके घर भेजना सही समझा।

मध्य प्रदेश के कलाकारों ने वर्ल्ड बुक डे पर रखे विचार

&tv के ‘गुड़िया हमारी सभी पे भारी’ के अभिनेता और लेखक रवि महाशब्दे की पृष्ठभूमि साहित्य, कला और नाटक में बेहद समृद्ध है। उन्हें पढ़ने और लिखने, दोनों का शौक है। उनका जीवन मंच से शुरू हुआ, लेकिन साहित्य के प्रति उनकी लगन पैतृक है। साहित्य के प्रति प्रेम के कारण रवि ने लाइब्रेरी में 5000 से अधिक किताबों का कलेक्शन कर रखा है और वे सभी किताबों के नाम भी जानते हैं। वर्ल्ड बुक डे के विशेष अवसर पर रवि महाशब्दे आपसे पढ़ने की आदत डालने के लिए कह रहे हैं। वह कहते हैं, मेरे पिता के कारण मुझे बहुत जल्दी पढ़ने की आदत लग गई थी। हमारे इंदौर के घर में कम से कम 5000 किताबें हैं और मेरे पिता लगभग उन सभी को पढ़ भी चुके हैं! मुझे लघु कथाएं पढ़ना पसंद है। आप छोटी से छोटी किताब से भी शुरुआत कर सकते हैं, क्योंकि सभी किताबें हमारी अच्छी दोस्त होती

अमेजन प्राइम वीडियो

एक्सक्लूसिव रूप से ग्रेटा गर्विंग

की बहुप्रशंसित अभिव्यक्ति

अब प्राइम मेबर लुसिया में अलकांट के क्लासिक उपन्यास लिटिल वुमन से प्रेरित पुरस्कार प्राप्त 2019 की पटकथा का आनंद ले पाएंगे 26 अप्रैल 2020 से एक्सक्लूसिव रूप से अमेजन प्राइम वीडियो पर इसका डिजिटल प्रीमियर किया जाएगा। प्राइम नवीनतम और एक्सक्लूसिव फिल्मों टीवी शोज स्टैण्डअप कॉमेडी अमेजन ओरिजिनल्स अमेजन प्राइम म्यूजिक के माध्यम से विज्ञापन रहित संगीत की असीमित स्ट्रीमिंग भारत में उत्पादों के सबसे बड़े संग्रह की निशुल्क और तीव्र आपूर्ति शीर्ष डील्स तक जल्दी पहुँच प्राप्त रीडिंग के साथ अनलिमिटेड रीडिंग के द्वारा अतुल्य महत्व की पेशकश करता है और यह सभी केवल 129रु प्रतिमाह पर उपलब्ध हैं। मुंबई भारत 20 अप्रैल 2020 एफेडमी अवॉर्ड से सम्मानित पैरासाइट जोकर और वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड के लॉन्च के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर अत्यधिक सारे पुरस्कार जीतने वाली फिल्म लिटिल वुमन के भारत में एक्सक्लूसिव रूप से डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की है। ग्रेटा गर्विंग द्वारा निर्देशित और लिखी गयी यह फ़िल्म नए जमाने के क्लासिक उपन्यास से प्रेरित है। इस उपन्यास को लुसिया में अलॉट में लिखा है। अमेरिकन सिविल वॉर के बाद के दौर के इस पीरियड ड्रामा में चार बहनों की कहानी दिखायी गयी है जोकि अपनी शतां पर जिंदगी जीना पसंद करती हैं। इस फ़िल्म को बॉक्स ऑफिस पर अत्यधिक सफलता मिली और साथ ही समीक्षकों ने इसे काफ़ी सराहा। यह फिल्मकई सारे पुरस्कार समारोह में नामित भी हुई।



तीन साल पहले खोई शादी की अंगूठी, रेस्टोरेट में मिली

किसी भी पति-पत्नी के लिए शादी की अंगूठी जीवन की एक अमूल्य धरोहर होती है, जिसे वो हमेशा संभाल कर रखते हैं, लेकिन अगर यही धरोहर कभी खो जाए तो बहुत दुख होता है। कुछ ऐसा ही हुआ था अमेरिका के रहने वाले एक पति-पत्नी के साथ, जिनकी अंगूठी तीन साल पहले खो गई थी, जो अब वो उन्हें एक तरवीर लेकर फेसबुक पर डाल दी और वो भी एक रेस्टोरेट से। यह रेस्टोरेट न्यूयॉर्क में है और जिस कपात की यह अंगूठी है, उनका नाम माइक और लिसा है। दरअसल, कोरोना वायरस की वजह से न्यूयॉर्क से लेकर फ्लोरिडा तक लगभग सभी रेस्टोरेट बंद हैं। ऐसे में फ्लोरिडा में मौजूद कोकोनट रेस्टोरेट के मैनेजर रयान क्रिवॉय ने सोचा कि क्यों न रेस्टोरेट का रेनोवेशन (नया बनाने की कोशिश) कर दिया जाए। इसके बाद वो रेस्टोरेट की साफ-सफाई में जुट गए, तभी उन्हें एक अंगूठी और एक सोने का सिक्का मिला। उन अंगूठी पर माइक और लिसा लिखा हुआ था और साथ में एक तारीफ भी लिखी हुई थी। अब उन्हें ये समझ नहीं आ रहा था कि वो इस अंगूठी और सोने के सिक्के का करें क्या। यह बात उन्होंने रेस्टोरेट की मार्केटिंग मैनेजर साशा फॉर्मिका से बताई, जिसके बाद साशा ने अंगूठी की एक तरवीर लेकर फेसबुक पर डाल दी और सारी कहानी बयां की। देखते ही देखते साशा की पोस्ट वायरल हो गई। करीब 5000 लोगों ने उनकी पोस्ट को अपने फेसबुक टाइमलाइन पर शेयर किया। नतीजा ये हुआ कि अंगूठी की तरवीर माइक और लिसा तक भी पहुंची। उन्होंने पोस्ट में दिए गए फोन नंबर पर संपर्क किया। साशा से उनकी बात हुई और उन्होंने बताया कि 2017 में वो रेस्टोरेट में खाने के लिए आए थे, लेकिन हाथ धोने के क्रम में अंगूठी हाथ से निकलकर कहीं गिर गई थी।

भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय जगत में विशिष्ट पहचान दिलाई सत्यजीत रे ने

भारतीय सिनेमा जगत में युगपुरुष सत्यजीत रे को एक ऐसे फिल्मकार के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने अपनी निर्मित फिल्मों के जरिए भारतीय सिनेमा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। सत्यजीत रे का जन्म कलकता में 02 मई 1921 को एक उच्च घराने में हुआ था। सत्यजीत रे ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1943 में ब्रिटिश एडवरटाइजमेंट कंपनी से बतौर जूनियर बिजुलायजर से की जहां उन्हें 18 रुपए महीने बतौर पारिश्रमिक मिलते थे। वर्ष 1949 में सत्यजीत रे की मुलाकात फ्रांसीसी निर्देशक जीन रेनोइर से हुई। जीन रेनोइर ने रे की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें फिल्म निर्माण की सलाह दी। सत्यजीत रे बंगाला साहित्यकार भविषी भूषण



पुण्यतिथि पर विशेष

बंधोपाध्याय के उपन्यास विलडंगसरोमन से काफी प्रभावित थे और उन्होंने उनके इस उपन्यास पर पाथेर पांचाली नाम से फिल्म बनाने का निश्चय किया। फिल्म निर्माण में लगभग तीन वर्ष लग गए। 1955 में प्रदर्शित फिल्म पाथेर पांचाली ने कोलकाता के सिनेमाघर में

लगभग 13 सप्ताह हाउसफुल दिखाई गई। इस फिल्म को फ्रांस में प्रत्येक वर्ष होने वाली प्रतिष्ठित कांस फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट ह्यूमन डाक्यूमेंट का विशेष पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद रे ने अपराजितो का निर्माण किया। फिल्म वीनस फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवार्ड से सम्मानित की गई। सत्यजीत रे की पहली रंगीन फिल्म महानगर 1963 में प्रदर्शित हुई। जया भादुड़ी ने इसी फिल्म से अपने सिने कैरियर की शुरुआत की थी। वर्ष 1966 में रे की एक और सुपरहिट फिल्म नायक प्रदर्शित हुई। फिल्म में उल्लम कुमार ने अरिन्दम मुखर्जी नामक नायक की भूमिका निभाई। 1977 में सत्यजीत रे के सिने करियर की पहली हिंदी फिल्म

आखिरकार जैकलीन फर्नांडिस ने क्यों की उर्वशी रौतेला तारीफ

लॉकडाउन के कारण सभी के पास पर्याप्त समय है कि वह अपनी पुरानी यादों को ताजा कर सकें। अपने किसी पुराने अल्बम के पन्नों को पलटकर समय को फिर से एक बार जिया जा सके। यही किया बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने। हाल ही में उर्वशी ने एक वीडियो किताबों से बहुत प्यार है। उनके लिये किताबें उतनी ही जरूरी हैं, जितनी हमारे लिए सांसें! वे खुद भी कहानियाँ लिखती हैं। इस वर्ल्ड बुक डे पर &tv के गुड़िया हमारी सभी पे भारी की अभिनेत्री और लेखिका समता सागर ने कहा, “मुझे अपने जीवन का ऐसा समय भी याद है, जब मैं किताब के बिना अपने घर से एक कदम भी बाहर नहीं रखती थी। किताबें पढ़ने से मुझे शांति मिलती है। वे मुझे एक अलग दुनिया में ले जाती हैं। मेरे बचपन के समय में प्रेमचंद और शरतचंद की कहानियाँ देश के हर घर का हिस्सा होती थीं। आज वह संस्कृति कहीं न कहीं खोती जा रही है। उन्होंने आगे कहा, इस वर्ल्ड बुक डे पर मैं युवा पीढ़ी से प्रेमचंद, निर्मल वर्मा, एंटन चेकहोव, आदि जैसे लेखकों की कहानियाँ पढ़ने का आग्रह करती हूँ।



संयुक्त रूप से समान करने के लिए, हम सभी के पास दुनिया की एक बेहतर जगह बनाने की शक्ति है- ये भूमि पेडनेकर कहती है, जिनकी फिल्मों और जलवायु संरक्षण परियोजना से पता चलता है कि वे समाज को एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही हैं। भूमि पेडनेकर अपनी फिल्मों के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण की दिशा में की गई अपनी पहल क्लाइमेट वॉरियर के जरिए लोगों में एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देने की कोशिश कर रही हैं। सामाजिक रूप से जागरूक इस अभिनेत्री का मानना ​​है कि हर व्यक्ति में बदलाव लाने की शक्ति है। भूमि कहती हैं, मेरा मानना ​​है कि हम सभी के पास अपने अनूठे तरीकों से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की शक्ति है। मैं अपनी सिनेमा के साथ ही जिस तरह का जीवन व्यतीत करती हूँ, उसके माध्यम से ऐसा करने की कोशिश करती हूँ। वे कहती हैं, मैंने ज्यादातर सार्थक और संदेशप्रद सिनेमा की ओर रुख किया है। दम लागे के हद्दशा (शारीरिक संरचना) से लेकर टॉयलेट एक प्रेम कथा (महिलाओं की स्वच्छता) के साथ सांड की आंख (महिला सशक्तिकरण) आदि, फिल्मों से मैं गहराई से जुड़ी हूँ। मैं चाहूंगी कि मेरी फिल्में समाज को एक सकारात्मक संदेश दें और शुक्र है कि मेरी फिल्मों ने अपने तरीके से प्रभावी प्रदर्शन किया। भूमि कहती हैं कि, बात जब जीवन के जागृत तरीके की हो, तो वे इसके साथ आगे बढ़ना चाहती हैं।

हम सभी के पास दुनिया को बेहतर जगह बनाने की शक्ति है

मेरा मानना ​​है कि, हम सभी के पास दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की शक्ति है- ये भूमि पेडनेकर कहती है, जिनकी फिल्मों और जलवायु संरक्षण परियोजना से पता चलता है कि वे समाज को एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर रही हैं। भूमि पेडनेकर अपनी फिल्मों के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण की दिशा में की गई अपनी पहल क्लाइमेट वॉरियर के जरिए लोगों में एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देने की कोशिश कर रही हैं। सामाजिक रूप से जागरूक इस अभिनेत्री का मानना ​​है कि हर व्यक्ति में बदलाव लाने की शक्ति है। भूमि कहती हैं, मेरा मानना ​​है कि हम सभी के पास अपने अनूठे तरीकों से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की शक्ति है। मैं अपनी सिनेमा के साथ ही जिस तरह का जीवन व्यतीत करती हूँ, उसके माध्यम से ऐसा करने की कोशिश करती हूँ। वे कहती हैं, मैंने ज्यादातर सार्थक और संदेशप्रद सिनेमा की ओर रुख किया है। दम लागे के हद्दशा (शारीरिक संरचना) से लेकर टॉयलेट एक प्रेम कथा (महिलाओं की स्वच्छता) के साथ सांड की आंख (महिला सशक्तिकरण) आदि, फिल्मों से मैं गहराई से जुड़ी हूँ। मैं चाहूंगी कि मेरी फिल्में समाज को एक सकारात्मक संदेश दें और शुक्र है कि मेरी फिल्मों ने अपने तरीके से प्रभावी प्रदर्शन किया। भूमि कहती हैं कि, बात जब जीवन के जागृत तरीके की हो, तो वे इसके साथ आगे बढ़ना चाहती हैं।

‘मैं शर्मीली हूं, इसलिए मेरे लिए काजल भाई का किरदार निभाना वास्तव में कठिन था’



लिए बिब्लु नई बात थी। मैं यह कहना चाहूंगी कि मेरी फैमिली हमेशा बहुत विनम्र थी और वो स्टारडम जैसी चीजों से बिब्लु अजनब थे। इसलिए मैंने इन बातों को कभी अपने घर में नहीं आने दिया मुझे याद है इस शो से पहले हमारे घर में केबल कनेक्शन नहीं था, लेकिन मैंने अपने मां-बाप को मना लिया और उन्होंने सिर्फ इसलिए केबल कनेक्शन लिया क्योंकि मेरा शो ‘हम पांच’ टीवी पर आ रहा था।

क्या आपको लगता है आजकल के शोज़ में उस तरह का लेखन नहीं होता जो पहले के शोज़ में होता था?

हर दशक में अच्छे और बुरे शोज़ बनते थे और उस समय भी इस तरह के साधारण शोज़ बनते थे। लेकिन ‘हम पांच’ बिब्लु अलग था और यह बेहतरीन लेखन का एक शानदार उदाहरण है। असल में इस शो के किरदार काल्पनिक नहीं थे बल्कि ऐसे वास्तविक लोगों से प्रेरित थे, जो हमारे पड़ोस में रहते हैं और इसीलिए इस शो को आज 25 साल बाद भी लोग उसी तरह पसंद करते हैं। मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ कि आजकल के शोज़ में अच्छे लेखन की कमी है।

क्या आज काजल भाई के रोल में कभी टाइपकास्ट हुई थीं?

शुक्र है, मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मैं उसी समय पर जी टीवी के कुछ और शोज़ भी कर रही थी और इन शोज़ में मेरा किरदार काजल के रोल से बिब्लु अलग था। हालांकि जब मैं काजल का रोल निभा रही थी तो मुझे अपने अन्य सह कलाकारों के जैसे ड्रेस अप होने की कमी लगती थी। उनकी तुलना में मुझे अपने किरदार में आने में सिर्फ 5 मिनट लगते थे और मैं कभी-कभी तो घर से पूरा सट्टेयोज़ कर जैसै ड्रेस कर रहे हैं यह केक बनाकर। क्योंकि मुझे और मल्लिका को उमरगांव में नेटवर्क इशू के चलते अपने दोस्तों से जुड़ने में समस्या आ रही है। तो उन्होंने अपने फैन्स के लिए वह चॉकलेट केक का वीडियो बनाकर उनसे साझा किया है। ऐसे में जब सुमेश और मल्लिका खुद अपने फैन्स के लिए केक बनाकर उन्हें अपनी परेशानी बता रहे हों तो फैन्स खश न हो यह भला कैसे हो सकता है।

छोटा पर्दा

‘कहत हनुमान जयश्रीराम’ के सेट पर निर्भय हुए नर्वस

टेलीविजन एक्टर, निर्भय वाघवा अपनी परफॉर्मेंस के लिए मशहूर हैं। हालांकि, निर्भय को हाल ही में &tv के शो ‘कहत हनुमान जयश्रीराम’ में अपना पहला अनुभव करने का मौका मिला तो यह स्थिति बदल गई। इस शो में बाली की भूमिका निभा रहे, निर्भय के लिए यह पहली बार है वह एक लीड महिला अभिनेत्री के साथ नज़र आएंगे। निर्भय इस शो में टेलीविजन अभिनेत्री, प्रीति गंडवानी के साथ हैं, जोकि बाली की पत्नी तारा की भूमिका निभा रही हैं। जब उन्हें पता चला कि उनके साथ एक फीमेल को-स्टार भी हैं तो उन्हें घबराहट महसूस हुई। बेहद शर्मीले स्वभाव वाले निर्भय को शुरुआत में परदे पर पति-पत्नी की परफेक्ट कैमरेस्ट्री लगने में मुश्किल पेश आ रही थी और उन्हें कुछ सीन को करने के लिये कई सारे टेक देने पड़े।



‘कहत हनुमान जयश्रीराम’ हर सोमवार से शुक्रवार, रात 9.30 बजे केवल -&tvपर

अनेरी वजनी ने अपनी मां को दिया धन्यवाद

लॉकडाउन अवधि में टेलीविजन अभिनेता खाना पकाने अपने घरों की सफाई करने, अपने बच्चों के साथ समय बिताने और वर्कआउट को करने में लगा रहे हैं। कलर्स के पवित्र भाग्य में 9 साल के लड़के की मां की भूमिका निभाने वाली अनेरी वजनी ने इस लॉकडाउन के दौरान एक शानदार अतीत की खोज की है। सभी सैलून और स्या बंद होने के साथ अनेरी सोशल मीडिया से ब्यूटी टिप्स ले रही है और अपनी मां की मदद से उनका उपयोग करने की कोशिश कर रही है। अनेरी ने कहाकि मेरी मां के पास मम्मी के नुरुके के साथ बहुत सारे घरेलू उपचार हैं। मैं गुगल पर कुछ खोज भी करती हूं और सौंदर्य के लिए अच्छा समाधान ढूँढती हूं। मेरी मां और मैं उन पर काम करते हैं। हाल ही में हम दोनों ने कई तरह के सौंदर्य उपचारों की कोशिश की है। वर्तमान में मैं चेहरे पर मुंहासे से छुटकारा पाने के लिए टमाटर और शहद आइस व्यूल्स का उपयोग कर रही हूं।



भारती और हर्ष ने अलग अलग भूमिकाएं निभाई

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाविया देश के सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले कॉमेडियन होने चाहिए। दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए युगल स्वयं की अवधारणा कर रहे हैं और हम तुम और व्वाटरटाइन का निर्माण कर रहे हैं, जिसका प्रसारण कलर्स पर हो रहा है। यद्यपि यह श्रृंखला मजेदार और चंचल लगती है लेकिन अपर्याप्त उपकरणों और जनशक्ति के बिना हर दिन शूटिंग का काम बहुत चुनौतीपूर्ण है। लेकिन भारती और हर्ष काफ़ी मेहनत और उत्साह के साथ काम कर रहे हैं। इस जोड़ी ने एक दूसरे के बीच काम साझा किया है। भारती को फैशन बहुत पसंद है इसलिए उनका अपना मेकअप और कॉस्ट्यूम अकाउंट है। वह अपने लिए और हर्ष के लिए सही पोशाक चुन रही हैं। वह मेकअप और हेयर स्टाइल दोनों कर रही हैं। दूसरी तरफ हर्ष निर्देशक कैमरामैन को दोहरी भूमिका कर रहे हैं और श्रृंखला के सभी तकनीकी तत्वों का ख्याल रखते हुए सभी का दिल जीत रहे हैं।



हम तुम और व्वाटरटाइन सोमवार से शुक्रवार रात 8:00 बजे सिर्फ कलर्स पर।

11 साल बाद फिर दर्शकों के बीच लौटी झांसी की रानी

भारत का अग्रणी मनोरंजन चैनल जी टीवी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में आशा, विमनता, जच्वा और जोश भरते हुए 11 साल बाद झांसी की रानी टेलीविजन पर वापस लौटा है, जिसमें एक साधारण लड़की के एक असाधारण शासक बनने की कहानी है। इसमें रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की कहानी है, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत का लगातार विरोध किया और इस देश की सबसे बड़ी महिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बन गई। 314 साल की छोटी-सी उम्र से युवा विरांगना का सफर दर्शाती इस कहानी में इस सशक्त महिला की जिंदगी के अलग-अलग पड़ाव दिखाए गए हैं। टेलीविजन एक्ट्रेस उल्का गुप्ता ने इस शो में इस युवा योद्धा के बचपन की भूमिका निभाई है। कृतिका सेंगर ने वयस्क रानी लक्ष्मीबाई और समीर धर्माधिकारी ने उनके पति की भूमिका निभाई है।



झांसी की रानी हर सोमवार सुबह 9:30 बजे सिर्फ जी टीवी पर।

क्यों लोग नई महाभारत देखना पसंद करते हैं?

एक ऐसी कहानी जो हमने कई बार सुनी होगी जैसे हमारी दादी से या इतिहास के टीचर से, महाभारत को भारतीय टेलीविजन पर पहले भी कई बार दिखाया गया है। महाभारत की कथा को दर्शाने वाले कई चैनलों में से स्टार प्लस के दर्शक अपने चैनल के साथ अपने महाकाव्य पौराणिक शो ‘महाभारत’ को देखने के लिए लालचित रहते हैं। इस नई महाभारत में आधुनिक तकनीक को इसकी गहन कथा-कहानी के साथ जोड़कर इसके नएएन को एक उच्चतर स्तर पर ले जाया गया है। इस शो के बारे में बात करते हुए, शहीर शेख उर्फ अर्जुन ने उल्लेख किया है कि, महाभारत एक महाकाव्य गाथा है जिसे हम कई युगों से सुनते आ रहे हैं और इस शो का हिस्सा बनना मेरे जीवन के लिए एक नया अनुभव था। इसी के बारे में बात करते हुए पूजा शर्मा जो दीपदी की भूमिका निभा रही हैं ने बताया कि, नई महाभारत अपने आप में अद्वितीय है।



हर सोमवार से शनिवार महाभारत रात 8 बजे से स्टार प्लस पर।

अपर्णा ने शादी के कपड़े के नीचे कैनवास के जूते पहने

मैथिल फुटबियर के साथ भारी भरकम इंडियन आउटफिट पहनना और घंटों साथ में चेहरे पर मुस्कान के साथ घूमना एक मुश्किल काम हो सकता है। दंगल टीवी पर प्यार की लूका चुपी में सुष्टि की मुख्य भूमिका निभाते हुए, अपूर्णा एक शादी के सीछेंस की शूटिंग कर रही थीं, जहाँ उन्होंने एक भारतीय पारंपरिक पोशाक के तहत एक जोड़ी कैनवास के जूते पहने थे। उनका भारी लहंगा खूबसूरत लग रहा था और कैनवास के जूतों की लकड़ी अलग था और यह बेहतरीन लेखन का एक शानदार उदाहरण है। असल में इस शो के किरदार काल्पनिक नहीं थे बल्कि ऐसे वास्तविक लोगों से प्रेरित थे, जो हमारे पड़ोस में रहते हैं और इसीलिए इस शो को आज 25 साल बाद भी लोग उसी तरह पसंद करते हैं। मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ कि आजकल के शोज़ में अच्छे लेखन की कमी है।



सुमेश व मल्लिका ने फैस को खुश करने बनाया केक !

सरकार ने सभी देशवासियों को लॉकडाउन का पालन करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में सभी टीवी कलाकार अपने-अपने घरों में रहकर अपने तरीके से इस लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। इसी कड़ी में ‘राधाकृष्ण’ शो के एक्टर सुमेश मुद्गलकर और एक्ट्रेस मल्लिका सिंह ने साथ मिलकर अपने दर्शकों के लिए केक बनाया है, जानिए। हाल ही में सुमेश और मल्लिका ने अपने सुर्मीलिका फैन्स के लिए टस्टी सा चॉकलेट केक बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने फैन्स के लिए शेयर किया है। बता दें कि सुमेश और मल्लिका एक ही बिलिंडज और एक ही प्लेजर पर रहते हैं इसलिए उन दोनों ने मिलकर यह केक बनाया। उन्होंने अपने फैन्स के लिए लिखा कि घर पर रहें और सुरक्षित रहें और इस समय का पूरा सट्टेयोज़ करें जैसे ड्रेस कर रहे हैं यह केक बनाकर। क्योंकि सुमेश और मल्लिका को उमरगांव में नेटवर्क इशू के चलते अपने दोस्तों से जुड़ने में समस्या आ रही है। तो उन्होंने अपने फैन्स के लिए वह चॉकलेट केक का वीडियो बनाकर उनसे साझा किया है। ऐसे में जब सुमेश और मल्लिका खुद अपने फैन्स के लिए केक बनाकर उन्हें अपनी परेशानी बता रहे हों तो फैन्स खश न हो यह भला कैसे हो सकता है।



अप्रैल में 20 प्रतिशत बढ़ी रसोई गैस की मांग

नई दिल्ली। लॉकडाउन के दौरान अप्रैल महीने के पहले 20 दिन में रसोई गैस की मांग में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल ने बताया कि रसोई गैस की उसकी बिक्री 01 अप्रैल से 20 अप्रैल के दौरान 6.97 लाख टन पर पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 19.6 फीसदी अधिक है। इस दौरान उज्ज्वला योजना के 1.1 करोड़ लाभार्थियों को रसोई गैस सिलिंडर की आपूर्ति की गयी है। कंपनी ने बढ़ी हुई मांग की पूर्ति के लिए तीन महीने के लिए रसोई गैस का अपना आयदा 50 प्रतिशत बढ़ा दिया है। साथ ही एलपीजी बोटलिंग संयंत्रों में दिन-रात काम चल रहा है।

क्रिसिल का तिमाही में शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। साख प्रमाणन कंपनी क्रिसिल का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही में 88.1 करोड़ रुपए रहा। कंपनी कैलेडर वर्ष को ही वित्त वर्ष मानती है। एक्सपेंडी ग्लोबल कंपनी की भारतीय इकाई को एक साल पहले इसी तिमाही में 76.6 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। क्रिसिल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत परिवालन आय 31 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में 2.9 प्रतिशत बढ़कर 427.8 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 415.8 करोड़ रुपए थी।

सदी के निचले स्तर को छूने के बाद संभला कुंड

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुबह 21 साल के निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में सुधार देखा गया और ब्रेंट क्रूड एक बार फिर 20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। लंदन का ब्रेंट क्रूड का वायदा आज सुबह बीच कारोबार में 15.98 डॉलर बैरल तक उतर गया था जो 1999 के बाद का निचला स्तर है। हालांकि बाद में यह वापसी करता हुआ छह फीसदी चढ़कर यह 20.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस प्रकार इसमें आज भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। जून का अमेरिकी क्रूड वायदा 14.95 प्रतिशत की तेजी के साथ 13.30 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। सुबह इसमें भी भारी गिरावट रही थी।

बाजार समीक्षा

लॉकडाउन से खाद्य तेल आयात प्रभावित होने की आशंका

मांग थमने से सोया रिफाइंड में मंदी

इंदौर। लॉकडाउन के चलते खाद्यतेल का आयात प्रभावित होने की आसंका के बावजूद बहरहाल, हाजिर कारोबार शिथिल होने और उपभोक्ता मांग थमने के कारण सोया रिफाइंड की कीमतों में जोरदार गिरावट आने लगी है।

दरअसल, कोरोना के खौफ से अधिकांश फिजिकल मार्केट बंद होने से सोया तेल की व्यापारिक मांग कमजोर पड़ गई है। भाव में गिरावट की संभावना से उपभोक्ता मांग शिथिल है। लॉक डाउन लंबा खींचने के कारण अनेक उपभोक्ताओं द्वारा पिछले दिनों जमकर थोक खरीदी किए जाने से भी अब मांग ठंडी पड़ी है। वैसे भी नकदी के संकट से लोगों की क्रय शक्ति घटी है। लिहाजा, वायदा सटोरियों द्वारा सौदों की कटान किए जाने से बुधवार को मई डिलीवरी सौदों में रिफाईंड सोया 16.4 रुपए यानी 2.14 फीसदी गिरकर 749.2 रु प्रति 10



किलो रह गया। इसमें लगभग 25000 लॉट के लिए कारोबार हुआ। जून माह में डिलीवरी वाले अनुबंध भी 15.8 रुपये या 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 725.2 रुपये प्रति 10 किग्रा रह गयी। इसमें 7500 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि पर्याप्त स्टॉक के मुकाबले कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यतः रिफाईंड सोया वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कपास्या खली वायदा कीमतों में मंदी जारी

नयी दिल्ली। मार्केट लॉकडाउन के कारण बंद होने से मांग की कमजोरी से कपास्या (बिनाला) खली की कीमतों में गिरावट का रुख बना है। बुधवार को वायदा कारोबारियों द्वारा सौदों के आकार सीमित रखे जाने से एनसीडीईक्स पर बिनालाखली के मई डिलीवरी अनुबंध 24 रुपये अथवा 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1812 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। इसमें 47940 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह खली का जून डिलीवर अनुबंध भी 21 रु. अथवा 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1845 रुक्विंटल रह गया, जिसमें 8110 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा स्तर पर कारोबारियों की बिकवाली से यदा कीमतों में मंदी आई है। ।

सेल बनी सबसे बड़ी कच्चा इस्पात उत्पादक कंपनी

2019-20 के दौरान 161.50 लाख टन उत्पादन किया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड, सेल पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में कच्चा इस्पात उत्पादन की अग्रणी कंपनी बनकर उभरी है। सेल ने वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 161.50 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया, जो देश के किसी भी अन्य इस्पात उत्पादकों के मुकाबले अधिक है।सेल के अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने कहा कि कंपनी द्वारा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में किये गये ठोस प्रयासों का नतीजा है कि सेल ने 2019-20 के दौरान देश के सबसे बड़े घरेलू इस्पात उत्पादक का दर्जा

हासिल किया है। कंपनी ने आधुनिकीकरण के दौरान जो सुविधाएं शुरू की थी, उनके लाभ मिलने आरंभ हो चुके हैं और इस दिशा में कंपनी को अच्छी तरह से समन्वित उत्पादन रणनीतियां उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लाभ के रूप में सामने आई हैं। आने वाले समय में जब देश कोरोना वायरस के प्रकोप से विजयी बनकर उभरेगा तो निश्चित रूप बाजार में इस्पात खपत में बढ़ोत्तरी होगी और सेल देश की इस्पात मांग पूरी करने के लिए पूर्णतया तैयार है।सेल ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान अब तक का सर्वाधिक 145 लाख टन का

बिक्री का आंकड़ा दर्ज किया, जो 2018-19 के मुकाबले 2.8 टन अधिक है। कंपनी ने 2019-20 के दौरान इसके पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 54 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए, रिकॉर्ड 11.80 लाख टन निर्यात किया। श्री चौधरी के अनुसार, कंपनी अपने रणनीतिक मार्केटिंग प्रयासों और पहलों के जरिये उपभोक्ता लगातार बढ़ाने में लगी हुई है। कंपनी ने 2019-20 के दौरान टीएमटी बार का अपना एक नया ब्रांड सेल सिक्वोर लॉच किया है, जो गुणवत्ता और सुरक्षा के विभिन्न पैमाने पर अन्य उत्पादों से बेहतर है।

बिक्री का आंकड़ा दर्ज किया, जो 2018-19 के मुकाबले 2.8 टन अधिक है। कंपनी ने 2019-20 के दौरान इसके पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 54 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए, रिकॉर्ड 11.80 लाख टन निर्यात किया। श्री चौधरी के अनुसार, कंपनी अपने रणनीतिक मार्केटिंग प्रयासों और पहलों के जरिये उपभोक्ता लगातार बढ़ाने में लगी हुई है। कंपनी ने 2019-20 के दौरान टीएमटी बार का अपना एक नया ब्रांड सेल सिक्वोर लॉच किया है, जो गुणवत्ता और सुरक्षा के विभिन्न पैमाने पर अन्य उत्पादों से बेहतर है।

गैर-यूरिया उर्वरकों की सब्सिडी दरें घटीं

वित्त वर्ष में 22186.55 करोड़ खर्च का अनुमान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच सरकार ने बुधवार को गैर-यूरिया उर्वरकों पर दी जाने वाली सब्सिडी दरों में कटौती की है। सरकार की इस पहल से चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकारी खजाने पर उर्वरक सब्सिडी बोझ कम होकर 22186.55 करोड़ रुपए रह जाने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस बारे में निर्णय लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया, सीसीईए ने वर्ष 2020- 21 के लिये फास्फेटिक और पोटाशिक पीएण्डेक्रे उर्वरकों के लिये पोषण आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी दी है। वर्ष 2020-21 के दौरान पीएण्डेक्रे उर्वरकों पर सब्सिडी के तहत कुल खर्च 22186.55 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। उर्वरक मंत्रालय ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के लिये नाइट्रोजन पर सब्सिडी को पिछले साल के 18.90 रुपए से घटाकर 18.78 रुपए प्रति किलो, फास्फोरस पर 15.21 रुपए से घटाकर 14.88 रुपए किलो, पोटाश पर 11.12 रुपए से घटाकर 10.11 रुपए किलो और सल्फर पर 3.56 रुपए से घटाकर 2.37 रुपए किलो कर दिया है। वर्ष 2019-20 में इन पर कुल सब्सिडी खर्च 22875 करोड़ रुपए था। सीसीईए ने इसके साथ ही एनबीएस में एक काम्प्लेक्स उर्वरक अमोनियम फास्फेट एनपी को भी शामिल करने को मंजूरी दी है। सरकार ने वर्ष 2010 में पोषण आधारित सबसिडी कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

छह माह हवाई यात्रा की नहीं सोचेंगे 40 फीसदी लोग

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ का सर्वेक्षण जारी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से लोग इस कदर डरे हुए हैं कि 40 फीसदी लोगों ने कहा है कि वे संक्रमण नियंत्रित होने के बाद भी कम से कम छह महीने तक हवाई यात्रा नहीं करेंगे। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ आयटा के जारी सर्वेक्षण में यह बात सामने आयी है। इसमें हिस्सा लेने वाले सिर्फ 14 फीसदी लोगों ने कहा है कि वे हवाई यात्रा के लिए इंतजार नहीं करेंगे। वहीं, करीब 46 प्रतिशत का कहना है कि वे एक या दो महीने इंतजार करने के बाद ही हवाई यात्रा करना पसंद करेंगे। शेष 40 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे छह महीने या इससे भी अधिक इंतजार करने के बाद ही इसके बारे में सोचेंगे। पहले हवाई यात्रा कर चुके लोगों के बीच कराये गये इस सर्वेक्षण में चार प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे आगे हवाई यात्रा बिल्कुल भी नहीं करेंगे। आठ फीसदी ने कम से कम एक साल तक और 28 फीसदी ने छह महीने तक इंतजार करने की बात कही है।लोगों

जियो में 10 फीसदी हिस्सा खरीदेगा फेसबुक

किसी भी दूरसंचार कंपनी में हिस्सेदारी बिक्री का दुनिया का सबसे बड़ा सौदा, फेसबुक करेगा 43754 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई। विश्व की अग्रणी सोशल नेटवर्किंग कंपनी अमेरिका की फेसबुक ने भारतीय धनकुबेर मुकेश अंबानी के रिलायंस जियो प्लेटफार्म में बुधवार को 43754 करोड़ रुपए यानी 6.22 अरब डालर का बड़ा निवेश कर 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की तरफ से बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। विश्व की किसी दूरसंचार कंपनी में इतनी बड़ी रकम के निवेश से इतनी कम हिस्सेदारी खरीदने का यह सबसे बड़ा सौदा है। फेसबुक ने अपनी वेबसाइट पर भी इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो में 9.99 फीसदी हिस्सा 43, 574 करोड़ रुपए में खरीदा है। फेसबुक के इस निवेश से जियो प्लैटफॉर्मस का 70 रुपए प्रति डालर के आधार पर मूल्यांकन 4.62 लाख करोड़ रुपउ आंका गया। इस सौदे के साथ ही फेसबुक



रिलायंस जियो की सबसे बड़ी शेयरधारक बन गई। जियो ने निवेश पर कहा, फेसबुक और जियो का सौदा कई मायनों में अभूतपूर्व है और यह प्रौद्योगिकी कंपनी में इतनी कम हिस्सेदारी के लिये सबसे बड़ा निवेश है। भारत में किसी प्रौद्योगिकी कंपनी में यह अब तक के निवेश की सबसे अधिक राशि है।

डिजिटल इंडिया का सपना होगा साकार

जियो और फेसबुक के बीच तालमेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा जियो और फेसबुक की साझेदारी प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन का सपना पूरा होने में मदद मिल सकती है। फेसबुक ने जियो में निवेश पर कहा, यह भारत के प्रति फेसबुक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जियो भारत के दूरसंचार क्षेत्र में जो बड़ा बदलाव लाई उससे हम भी प्रोत्साहित हुए। फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जकरबर्ग ने इस सौदे पर कहा, जियो प्लेटफार्म के साथ फेसबुक मिलकर काम कर रहा है। हम एक वित्तीय निवेश कर रहे हैं और इससे भी अधिक हम कुछ अहम प्रोजेक्ट पर एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पूरे भारत में लोगों को कारोबार के नए मौके मिलेंगे।

डेटॉल ने किया बाबा रामदेव का खंडन

बताई सैनिटाइजर की असल कीमत

नई दिल्ली। कोरोनावायरस के कारण पैदा हुए इस संकट की घड़ी में योग गुरु बाबा रामदेव के एक टवीट से बवाल मच गया, जिसपर अब डेटॉल का जवाब आया है। डेटॉल ने टवीट में किए गए रामदेव के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि 80 साल से सुरक्षा उनका स्टैंडर्ड रहा है और जिस कीमत का दावा किया जा रहा है, डेटॉल का सैनिटाइजर उस दाम पर नहीं बेचा जा रहा।

कंपनी का कहना है, डेटॉल लगातार भारत में स्वास्थ्य का सबसे भरोसेमंद रक्षक बना हुआ है। यह ब्रैंड लगातार

उपभोक्ताओं को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य मुहैया करावा रहा है और एक बेहतर दुनिया बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

डेटॉल हैंड सैनिटाइजर का निर्धारित मूल्य 50 मिलीलीटर के लिए 25 रुपए, 600 मिलीलीटर के लिए 30 रु व 200 मिलीलीटर के लिए 100 रु है। यह भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुकूल है। कंपनी ने आगे कहा, अधिक मूल्य का सुझाव देने वाली कोई भी सूचना धोखे से भरी हुई और बुरे इरादे वाली है। इस मुश्किल समय के दौरान हमारी कोशिश एक साथ मिलकर कोविड19 के संघर्ष पर केन्द्रित होनी चाहिए और हर गलत ढंग से काम करने से या गलत खबर फैलाने से बचना चाहिए।

शेयर बाजार में लौटी रौनक संसेक्स 743 अंक उछला रिलायंस के शेयर 10 प्रतिशत उछले

मुंबई। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार सेवा कंपनी रिलायंस जियो में 6.22 अरब डॉलर के निवेश से घरेलू शेयर बाजारों में धारणा मजबूत रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 742.84 अंक यानी 2.42 प्रतिशत चढ़कर 31,379.55 अंक पर बंद हुआ। रिलायंस के शेयर 10 प्रतिशत चढ़ गये। संसेक्स की तेजी में अधिक योगदान उसी का रहा। रिलायंस के साथ ही दूसरी दिग्गज कंपनियों में भी निवेशकों के लिवाल रहने से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 205.85 अंक यानी 2.29 फीसदी की बढ़त के साथ 9,187.30 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने तुलनात्मक रूप से कम पैसा लगाया।

वेलस्पन इंडिया ने आंशिक कामकाज शुरू किया

नई दिल्ली। कपड़ा क्षेत्र की कंपनी वेलस्पन इंडिया ने कहा कि उसने गुजरात के वापी और अंजार स्थित अपने कारखानों में कुछ कामकाज शुरू कर दिया है। जिला प्रशासन से आंशिक स्तर पर परिचालन शुरू करने की मंजूरी मिलने के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी ने कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये लॉकडाउन को देखते हुए 24 मार्च से ही दोनों इकाइयों में विनिर्माण गतिविधियां अस्थायी तौर पर बंद करने का निर्णय ले लिया था। वेलस्पन ने कहा, हमें गुजरात में वलसाड और कच्छ जिलों के प्राधिकरणों से 21 अप्रैल 2020 से कामकाज शुरू करने की मंजूरी मिल गयी।

मारुति सुजुकी को मिली मानेसर प्लांट में काम शुरू करने की अनुमति

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने देश की सबसे बड़ी पैसेंजर कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड को मानेसर प्लांट शुरू करने की इजाजत दे दी है। प्रदेश सरकार ने फिलहाल इसे सीमित कर्मचारियों के साथ एक पारी में चलाए जाने की इजाजत दी है।

हालांकि कंपनी ने कहा कि वह प्लांट तभी शुरू करेगी, जब उसे लगेगा कि उत्पादन लगातार जारी रखा जा सकता है और तैयार कारों की बिक्री की जा सकती है। मारुति के अनुसार, फिलहाल संभव नहीं लगता है।

नई दिल्ली । सरकारी कंपनी ओएनजीसी ने कच्चे तेल की कीमतों में लगातार आती गिरावट के मद्देनजर सरकार से उपकर और रॉयल्टी माफ करने की मांग की है। कंपनी का कहना है कि कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय भाव इतने नीचे आ चुके हैं कि उनसे कंपनी की परिचालन लागत निकाल पाना भी मुश्किल हो रहा है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। कच्चे तेल की

वैश्विक कीमतें दो दशक से भी अधिक समय के निचले स्तर पर आ गयी हैं। यह एक ओर उपभोक्ताओं के लिये अच्छी खबर है लेकिन तेल एवं गैस उत्पादकों पर इसके कारण भारी आर्थिक दबाव पड़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, ओएनजीसी प्रबंधन ने सरकार को बताया है कि अप्रैल में उसे 22 डॉलर प्रति बैरल के औसत भाव मिले हैं, जो कि एमसीएक्स में 23 अप्रैल गुरुवार से गैर-कृषि उत्पादों के कारोबारी समय में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत गैर कृषि जिंसों का कारोबार अब रात 11.30 बजे तक हो सकेगा। लॉकडाउन से कुछ रियायत मिलने के बाद एक्सचेंज ने यह कदम उठाया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने कहा कि उसका प्लेटफॉर्म गैर-कृषि जिंसों के लिये सुबह 9.00 से रात 11.30 बजे तक काम करेगा। एक्सचेंज में पहले कारोबार के समय यही था। उल्लेखनीय है कि 25 मार्च से कृषि उत्पादों के भाव में उतार-चढ़ाव रोकने के

लिये कारोबारी समय कम करने को कहा गया था। इसके बाद 14 अप्रैल तक कारोबारी समय घटाकर सुबह 9.00 से शाम 5.00 बजे कर दिया गया था। लॉकडाउन 3 मई तक बढ़ा दिया गया। अब सरकार ने एहतियाती उपायों के साथ 20 अप्रैल से कुछ क्षेत्रों में बंद से थोड़ी राहत दी है। बताया गया कि बाजार प्रतिभागियों से मिली जानकारी और सेबी के साथ विचार-विमर्श बाद समय में संशोधित किया गया है। अन्य जिंसों (कपास, सीपीओ,आरबीडी पॉमोलोन समेत) के मामले में कारोबार अगले नोटिस तक शाम 5.00 बजे तक होगा।



उसकी परिचालन की लागत से भी कम है। इसके अलावा प्राकृतिक गैस की कीमतों 2.39 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट के एक दशक के निचले स्तर पर आ जाने से कंपनी को सालाना करीब छह हजार करोड़ रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है।

कोरोना के फैलने का खतरा कम हो जाएगा। 10 हफ्ते के लॉकडाउन के बाद वायरस के फैलने की गति पर बहुत निचले स्तर पर आ जाएगी।

भारत में लॉकडाउन जल्द ही समाप्त होने वाली तारीख पर प्रतिक्रिया देते उन्होंने कहा, 'समझता हूँ कि आपको आर्थिक गतिविधि फिर से शुरू करने होगी, लेकिन कृपया इसके लिए जल्दबाजी न करें। यदि आप लॉकडाउन को जल्दबाजी में उठाते हैं और तो आपके पास बीमारी का दूसरा चरण होगा जो पहले चरण की तुलना में और खराब हो सकता है।' उन्होंने कहा कि हर कोई काम पर जाना चाहता है, लेकिन मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप जल्दबाजी न करें।